INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-269 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, सोमवार, 23 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बारहवीं के बाद बेटियों की पढ़ाई पर भारी पड़ने लगती है समाज की सोच

कॉलेज जाने की इच्छा पर शादी का दबाव

सुरक्षा-दूरी के सवाल बनते हैं बाधा

घर की जिम्मेदारियों के बीच छूट जाता है उच्च शिक्षा का सपना


शिक्षिका राखी


सीमा अरोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। बेटियों को पढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की बातें अब पहले से अधिक होने लगी हैं। माता-पिता भी चाहते हैं कि बेटियां पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़ी हों, लेकिन जब बात बारहवीं के बाद उच्च शिक्षा की आती है तो कई परिवारों की सोच बदलने लगती है। बेटी कॉलेज जाने की इच्छा जताती है तो उसकी पढ़ाई से पहले शादी की चर्चा शुरू हो जाती है। परिवार और समाज की अपेक्षाओं के बीच कई बेटियों के सपने अधूरे रह जाते हैं। शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने के बावजूद आज भी बेटियों की पढ़ाई के रास्ते में सामाजिक सोच बड़ी बाधा बनी हुई है।

शिक्षा के मामले में परिवारों का दोहरा नजरिया भी सामने आता है। बेटे की पढ़ाई के लिए उसे दूसरे शहर भेजने में परिवार संकोच नहीं करता, लेकिन बेटी के कॉलेज जाने पर सुरक्षा, आने-जाने और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसे सवाल खड़े हो जाते हैं। कॉलेज दूर होने पर परिवार उसकी पढ़ाई छुड़ाने का फैसला कर लेता है। आर्थिक स्थिति भी कई बार बाधा बनती है।

कई परिवारों में लड़कियों से पढ़ाई के साथ घर के कामकाज की जिम्मेदारी निभाने की भी अपेक्षा की जाती है। सुबह से घरेलू काम और इसके बाद पढ़ाई के कारण उन्हें पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। धीरे-धीरे पढ़ाई प्रभावित होने लगती है। कई बार परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनकी उच्च शिक्षा प्राथमिकता से बाहर हो जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेजों की दूरी और सुरक्षित परिवहन की कमी इस समस्या को और गंभीर बना देती है। मथुरा के आसपास के गांवों की छात्राओं के लिए कॉलेज तक पहुंचना भी बड़ी चुनौती है। बदलते दौर में मोबाइल और इंटरनेट ने लड़कियों के लिए पढ़ाई के नए रास्ते खोले हैं। ऑनलाइन कक्षाओं और शैक्षणिक संसाधनों के जरिए वे घर बैठे भी शिक्षा जारी रख सकती हैं।

सरकारी स्कूल की शिक्षिका राखी बताती हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी ऐसी तमाम लड़कियां हैं, जो बारहवीं पास करने के बाद आगे पढ़ाई नहीं कर पातीं।

परिवार को लगता है कि अब बेटी की शादी की उम्र हो गई है। वहीं, निजी स्कूल की कोऑर्डिनेटर सीमा अरोड़ा का कहना है कि लड़कियों की शिक्षा को लेकर समाज में पहले की अपेक्षा बदलाव आया है। बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं, लेकिन परिवारों को उनके विचारों और फैसलों को भी महत्व देना होगा।

हवा की रफ्तार थमी तो फिर बिगड़ी सेहत एक्यूआई 195 पर पहुंचा

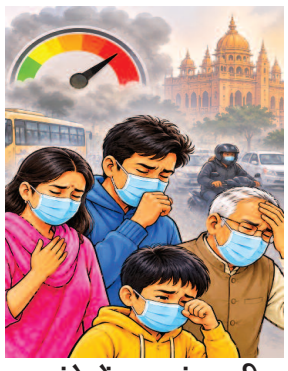

24 घंटे में 41 अंक की बढ़ोतरी, प्रदूषण से एलर्जी और सांस संबंधी परेशानी का खतरा बढ़ा

अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट

मौसम में उतार-चढ़ाव का असर भी बना हुआ है। सोमवार को अधिकतम तापमान एक डिग्री गिरकर 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। सुबह और शाम ठिठुरन महसूस की जा रही है, वहीं दोपहर में धूप निकलने से लोगों को राहत मिल रही है।

मौसम और प्रदूषण के प्रमुख आंकड़े

- सोमवार का एक्यूआई : 195
- रविवार का एक्यूआई : 154
- 24 घंटे में बढ़ोतरी : 41 अंक
- हवा की रफ्तार : 3 किमी प्रति घंटा
- अधिकतम तापमान: 27 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम तापमान : 13 डिग्री सेल्सियस

यूनिक समय, मथुरा। हवा की दिशा बदलने और रफ्तार धीमी पड़ने से जिले की हवा फिर जहरीली होने लगी है। रविवार की तुलना में सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में 41 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एक्यूआई 154 से बढ़कर 195 पर पहुंच गया। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को एलर्जी, खांसी और सांस लेने में परेशानी होने का खतरा बढ़ गया है। मौसम में सुबह-शाम ठिठुरन का असर भी लगातार बना हुआ है। हालांकि, दिन में तेज धूप और हवा की गति कम रहने से लोगों को सर्दी से कुछ राहत मिली।

सोमवार सुबह मौसम सर्द रहा। हल्की धुंध छाने के बाद जल्द ही छंट गई और धूप निकलने से राहत मिली। दिन में हवा की गति करीब तीन किलोमीटर प्रति घंटे दर्ज की गई। हवा की रफ्तार कम होने से धूप में गर्माहट महसूस हुई, लेकिन यही स्थिति प्रदूषण बढ़ने की वजह भी बनी। हवा का प्रवाह कमजोर होने से प्रदूषक कण वातावरण में जमा होने लगे और एक्यूआई में तेजी से उछाल आया। 24 घंटे में एक्यूआई में 41 अंकों की बढ़ोतरी से हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई। वातावरण में मौजूद सूक्ष्म कण सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। खासकर अस्थमा, एलर्जी और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। जिला अस्पताल के फिजीशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों से एलर्जी, खांसी और सांस लेने में परेशानी बढ़ सकती है। लोगों को अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए। धूल वाले स्थानों से दूरी बनाए रखें और बाहर निकलना जरूरी हो तो मास्क का प्रयोग करें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

छटीकरा फ्लाईओवर के पास भीषण हादसा

पांच घायल अस्पताल में भर्ती, तीन की हालत गंभीर


रूबी | कान्हा | ज्योति | रुद्र
(मृतकों के फाइल फोटो)

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार सुबह दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर थाना जैंत क्षेत्र में छटीकरा फ्लाईओवर के समीप भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत चिंताजनक बताई गई है। सभी लोग भिंड, मध्य प्रदेश के रहने वाले बताए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब साढ़े सात बजे दिल्ली की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर ट्रक में फंस गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे खून से लथपथ घायलों को बाहर निकाला। सभी को सर्वोदय अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में उपचार के दौरान रूबी (32) पत्नी सुनील शर्मा, ज्योति (30), कान्हा (10) पुत्र सुनील शर्मा और रुद्र (4) पुत्र देवाशीष की मौत हो गई। हादसे में देवाशीष (27) पुत्र भरत शर्मा, आशा देवी (55), गिजा देवी (25), गौरी (30) और पलक (12) घायल हैं। तीन घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिए हैं। परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

दीपदान से जगमगाएगा ब्रज के यमुना तट

1100 विद्यार्थियों के दीपदान से जगमगाएंगे यमुना के 23 घाट

देव दीपावली पर कृष्ण गंगा घाट से ध्रुव घाट तक सजेगी दीपों की कतार

विश्राम घाट पर संतों की मौजूदगी में होगा महोत्सव का शुभारंभ



शाम चार बजे तक पहुंचेंगे विद्यार्थी

कार्यक्रम के लिए जैन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य निखिल अग्रवाल को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। निर्धारित निर्देशों के अनुसार 24 नवंबर को सभी छात्र-छात्राओं को शाम चार बजे तक अपने निर्धारित घाटों पर पहुंचना होगा। विद्यार्थी शिक्षकों के निर्देशन में रंगोली और अन्य सजावट करेंगे। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर यमुना तट को रोशनी से सजाएंगे।

यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा पर 24 नवंबर को कान्हा की नगरी में देव दीपावली का पर्व भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर यमुना के 23 घाट हजारों दीपों की रोशनी से जगमगाएंगे। कृष्ण गंगा घाट से ध्रुव घाट तक करीब 1100 विद्यार्थी दीपदान करेंगे। यमुना तट पर दीपों की कतारों के साथ आकर्षक रंगोलियां सजाई जाएंगी और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महाआरती होगी।

डीआइओएस और डीएम कार्यालय के निर्देशानुसार, देव दीपावली महोत्सव समिति की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का शुभारंभ विश्वप्रसिद्ध विश्राम घाट पर ब्रज के संतों, धर्माचार्यों और गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में होगा। शाम पांच बजे से कृष्ण गंगा घाट से ध्रुव घाट तक यमुना के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर महाआरती की जाएगी। आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न विद्यालयों के करीब 1100 छात्र-छात्राओं को उनके शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के साथ अलग-अलग घाटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें कृष्ण गंगा घाट, गऊघाट, कंसकिला घाट, वैकुण्ठ घाट, संत घाट, सूरत घाट, गणेश घाट, सकरकुई, मणिकर्णिका घाट, वल्लभ घाट, विश्राम घाट, सती बुर्ज घाट, राजाघाट, प्रयाग घाट, श्रृंगार घाट, श्याम घाट, राम घाट, दंडी घाट, सूर्य घाट, बंगाली घाट, तिलोई घाट और ध्रुव घाट शामिल हैं।

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें


अयोध्या-जनकपुर के बीच दौड़ी सरयू-कमला एक्सप्रेस
पेज-10 पर

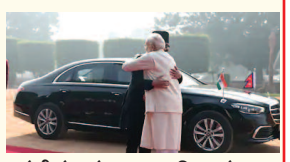
मोदी ने गले लगाकर किया नेपाल के पीएम बालेन शाह का स्वागत
पेज-11 पर


विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज जोनल-सेक्टर अधिकारियों को बताई जिम्मेदारी और दायित्व
पेज-12 पर

मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्मों से हटेंगी पुरानी ट्यूबलाइटें

बड़ी एलईडी लाइटों से जगमगाएंगे प्लेटफार्म

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर अब यात्रियों को रात के समय अंधेरे और कम रोशनी की समस्या से निजात मिलने वाली है। रेलवे ने प्लेटफार्मों पर लगी पुरानी ट्यूबलाइटों को हटाकर उनके स्थान पर बड़ी एलईडी लाइटें लगाने की तैयारी की है। इससे प्लेटफार्मों पर रोशनी की व्यवस्था बेहतर होगी और यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

दरअसल, जंक्शन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर लंबे समय से ट्यूबलाइटों



का इस्तेमाल किया जा रहा है। समय बीतने के साथ ये लाइटें पुरानी हो चुकी हैं और इनसे पहले जैसी रोशनी नहीं मिल पा रही है। रात के समय कई स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश नहीं होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर ट्रेन से उतरने और चढ़ने के दौरान कम रोशनी के चलते असुविधा होती है।

रेलवे ने इस समस्या को देखते हुए पुरानी ट्यूबलाइटों के स्थान पर बड़ी क्षमता वाली एलईडी लाइटें लगाने की योजना बनाई है। एलईडी लाइटों से प्लेटफार्मों पर पहले की अपेक्षा अधिक और बेहतर रोशनी उपलब्ध हो सकेगी। इससे यात्रियों को अपने सामान के साथ आवागमन करने और ट्रेन के इंतजार के दौरान भी सुविधा मिलेगी।

बंदर खराब कर देते हैं ट्यूबलाइटें

जंक्शन रेलवे स्टेशन पर लगी ट्यूबलाइटों को हटा कर उनके स्थान पर बड़ी एलईडी लगाने के पीछे की एक वजह जंक्शन पर बंदरों की बढ़ी संख्या भी है। बंदर ट्यूबलाइट को तोड़ देते है। बड़ी एलईटी लाइट मजबूत होती है, जिसे बंदर आसानी से खराब नहीं कर सकेंगे।

> “ प्लेटफार्मों पर लगी ट्यूबलाइटों की रोशनी मध्यम हो गई है। साथ ही बंदर ट्यूबलाइटों को अक्सर तोड़ देते हैं या उनके तार खींच देते हैं। अब ट्यूबलाइट के स्थान पर बड़ी एलईडी लाइट लगाने प्रस्ताव उच्चाधिकारियों को भेजा गया है।
>
> **सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।**



कंस बने धीरेंद्र शास्त्री, कृष्ण के हाथों पिटाई पर मचा बवाल



कलेक्ट्रेट में डीएम के नाम पत्र एसडीएम को पत्र देते शिष्टमंडल के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। धर्मनगरी में कंस वध मेले के दौरान निकाली गई झांकी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इसमें बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कंस के रूप में दर्शाया गया और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उन्हें पीटते हुए दिखाया गया। इसको लेकर बागेश्वर धाम के शिष्टमंडल ने विरोध जताते हुए पुलिस प्रशासन से मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

आचार्य रोहित रिछारिया और संपूर्ण बागेश्वर धाम शिष्टमंडल की ओर से सोमवार को डीएम के नाम एसडीएम को पत्र दिया गया। प्रशासन को सौंपे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि झांकी से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के धार्मिक- आध्यात्मिक सम्मान को ठेस पहुंची है और श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

शिष्टमंडल ने माथुर चतुर्वेद परिषद के पदाधिकारियों के खिलाफ डीएम को दिया प्रार्थना पत्र

शिकायत में माथुर चतुर्वेद परिषद के संरक्षक गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, दिनेश पाठक, राकेश तिवारी, अध्यक्ष राजन पाठक, महामंत्री संजय चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, मंत्री हरदेव चतुर्वेदी और निरीक्षक आशीष चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। शिष्टमंडल ने मामले की जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

जूडो प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल्स 26 नवंबर को

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय के तत्वावधान में एक से तीन दिसंबर तक कानपुर में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक–बालिका जूडो प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय चयन-ट्रायल्स 26 नवंबर को स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होंगे।

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि ट्रायल्स सुबह 10 बजे से आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को 27 नवंबर को दोपहर दो बजे आगरा में होने वाले मंडलीय चयन ट्रायल्स में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद आगरा मंडल की टीम प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। उन्होंने बताया कि ट्रायल्स में वही बालक-बालिकाएं प्रतिभाग कर सकेंगे, जिनका जन्म एक जनवरी 2012 से 31 दिसंबर 2014 के मध्य हुआ हो। इच्छुक खिलाड़ियों को जन्मतिथि का मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड अथवा पासपोर्ट लेकर 26 नवंबर को प्रातः 11 बजे जिला खेल कार्यालय में उपस्थित होना होगा।

रात में बैंड–बाजे और बारात बने मुसीबत



सोमवार को दोपहर के समय सौंख अड्डा मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। शहरवासियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिनभर सड़कों पर जाम से जूझने वाले लोगों के लिए अब रात का सफर भी मुसीबत बन गया है। सहालग का सीजन शुरू होते ही बैंड-बाजा और बारात ने शहर की यातायात व्यवस्था की परीक्षा लेनी शुरू कर दी है। रात होते ही सड़कों पर निकलने वाली बारातों के चलते वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। हालात ऐसे हैं कि लोगों को कुछ दूरी तय करने में भी काफी समय लग रहा है।

शादी समारोहों में बैंड-बाजे और डीजे की धुन पर थिरकने का उत्साह

दिनभर में जाम से जूझते शहरवासी

बारातियों पर इस कदर हावी रहता है कि उन्हें सड़क पर पीछे से आ रहे वाहनों की भी परवाह नहीं रहती। बाराती सड़क के बड़े हिस्से पर कब्जा जमा लेते हैं। बीच सड़क पर डांस और आतिशबाजी के चलते यातायात पूरी तरह ठप हो जाता है।

इसके बाद दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।हैरानी की बात यह है कि दिन के समय प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और वाहनों के दबाव से जाम लगा रहता है। वहीं, रात के समय बारातों के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

एंबुलेंस और जरूरी काम से निकलने वाले लोगों को भी रास्ता मिलने में दिक्कत होती है।

गाड़ी के हार्न को भी कर देते अनसुना

बारात में बजने वाले बैण्ड या डीजे की धुन पर थिरकने वालों को पता ही नहीं चलता कि वह नाचते हुए सड़क के बीच पहुंच गए है। ऐसे में वाहन चालक हार्न बजाता है तब भी ये लोग सड़क से नहीं हटते हैं। ये हालात शहर की हर प्रमुख सड़क पर रात के समय देखे जा सकते हैं।

सर्विस रोड पर हालाल खराब

शादियों का सीजन शुरू होते ही हाइवे के सर्विस रोड पर भी जाम का झाम दिखने लगा है। अधिकांश मैरिज होम हाइवे के सहारे ही संचालित होते हैं। ऐसे में शादियों में आने वाले लोग वाहनों को सर्विस रोड के किनारे खड़ी कर देते हैं, जिससे गाड़ियों का काफिला बढ़ने पर जाम लग जाता है।

स्वामी गीतानंद की 22वीं पुण्यतिथि पर संतों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन



स्वामी गीतानंद को श्रद्धांजलि देते संत-महंत और हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एसएस कुलश्रेष्ठ।

यूनिक समय, वृंदावन। गांधी मार्ग स्थित गीता आश्रम में स्वामी गीतानंद की 22वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। इसमें संतों, विद्वानों और गणमान्य लोगों ने उनके चित्रपट पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उनके सेवाभावी कार्यों और समाज के प्रति समर्पण को याद करते हुए उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया।

मुख्य अतिथि हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति एसएस कुलश्रेष्ठ ने भावुक होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि स्वामी गीतानंद के सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। संतों ने कहा कि उनके आदर्शों पर चलते हुए महामंडलेश्वर डॉ. अवशेषानंद उनके सपनों को साकार करने में जुटे हैं। महाराज ने समाज सेवा के साथ देश की राजनीति को भी नई दिशा देने का प्रयास किया।

समारोह में गोविंदानंद तीर्थ, रामदेवानंद, नवलगिरि, सुरेशानंद परमहंस, रमेशानंद, आदित्यानंद, अद्वैत मुनि, मनोज मोहन शास्त्री, अनुराग कृष्ण पाठक, पार्षद राधाकृष्ण पाठक, निरंजन पाराशर, अनूप शर्मा और निर्मल सहित अनेक संत और विद्वान उपस्थित रहे।

एआरटीओ कार्यालय की आग में भस्म हुआ रिकॉर्ड

अब वाहन स्वामी और लाइसेंस धारक काट रहे हैं कार्यालय के चक्कर

यूनिक समय, मथुरा। एआरटीओ कार्यालय की एक पुरानी लापरवाही और आग की घटना का खामियाजा अब वाहन स्वामियों और ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को भुगतना पड़ रहा है। वर्ष 2016 में एआरटीओ कार्यालय की दूसरी मंजिल पर संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई थी।

इस आग में वर्ष 2016 तक का ज्यादातर सरकारी रिकॉर्ड जलकर खाक हो गया था। इसके चलते कार्यालय में पुराने वाहनों के पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं।

रिकॉर्ड न होने के कारण सबसे

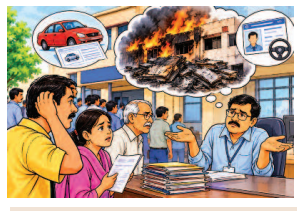

लखनऊ में मिलता है पंजीकरण का रिकार्ड

वर्ष 2016 से पूर्व विभाग में पंजीकृत हुए ज्यादातर वाहनों का रिकार्ड उपलब्ध नहीं है। यदि किसी वाहन स्वामी को अपने वाहन के पंजीकरण के रिकार्ड की आवश्यकता होती है तो विभागीय अधिकारी उसे लखनऊ से रिकार्ड मंगाने का हवाला देते हैं।

ज्यादा परेशानी उन वाहन स्वामियों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें अपने पुराने वाहन के पंजीकरण से संबंधित दस्तावेजों की जानकारी या रिकॉर्ड की जरूरत पड़ती है। इसी तरह पुराने ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को भी अपने लाइसेंस का रिकॉर्ड निकलवाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वाहन स्वामी जब अपने वाहन की पंजीकरण फाइल या पुराने रिकॉर्ड के लिए एआरटीओ कार्यालय पहुंचते हैं तो उन्हें वहां से अपेक्षित जानकारी नहीं मिल पाती।

कई मामलों में उन्हें रिकॉर्ड के लिए मुख्यालय जाने की सलाह देकर वापस भेज दिया जाता है।

लोगों को बनवाना पड़ रहा नया लाइसेंस

कार्यालय में लगी आग के बाद वर्ष 2016 से पूर्व बने अधिकतर लाइसेंसों का रिकार्ड कार्यालय में उपलब्ध नहीं है। ऐसे में उस समय के लाइसेंस धारक जब अपने लाइसेंस का नवीनीकरण कराने कार्यालय पहुंचते हैं तो उनके लाइसेंस की पुरानी पत्रावली नहीं मिलती। तब कार्यालय कर्मचारी धारक को नया लाइसेंस बनवाने की सलाह देते हैं। धारक बार बार विभाग के चक्कर काटने से बेहतर नाया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने को मजबूर हो जाता है।

> “ आग लगना प्राकृतिक आपदा है। इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। वर्ष 2016 और उससे पहले का ज्यादातर रिकार्ड आग में जल चुका है। **नीतू सिंह, एआरटीओ प्रशासन।**

सड़क पर हादसों की वजह बनी नींद, गति और लापरवाही



हादसे में क्षतिग्रस्त स्विफ्ट डिजायर कार।

हादसे के लिए चालक की नींद ही जिम्मेदार

यूनिक समय, मथुरा। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से परिक्रमा करने के लिए परिवार आया था। परिक्रमा देने के कारण नींद पूरी न होने के कारण भी हादसा होने की बात बताई जा रही है। भिंड, मध्य प्रदेश के रहने वाले भरत शर्मा के परिवार के नौ लोग, जिनमें बच्चे भी शामिल थे। स्विफ्ट डिजायर कार से परिक्रमा करने के लिए आए थे। सभी ने यहां दो परिक्रमा लगाई। बताया गया कि दो परिक्रमा करने के कारण कार चला रहे सदस्य की नींद पूरी नहीं हुई और सोमवार प्रातः कार चला रहे चालक को नींद की छपकी लगी और कार सर्विस लाइन के समीप खड़े ट्रक से जा टकराई। जिससे इतना बड़ा हादसा हो गया।

डीएम-एसएसपी ने अस्पताल में घायलों की जानकारी ली

यूनिक समय, मथुरा। जैंत क्षेत्र में हुए इस गंभीर हादसे का पता लगने पर डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इसके साथ ही दोनों अधिकारियों ने सर्वोदय हॉस्पिटल पहुंचकर घायलों को बेहत इलाज कराने के लिए डाक्टरों से बीत चीत की और उनका इलाज कराने को कहा। ग्वालियर में उनके परिवार को इस दुखद हादसे की जानकारी दी।

चालक इन तीनों पर नियंत्रण करके बचा सकते हादसों में मरने वालों की जान

यूनिक समय, मथुरा। सड़क हादसों के लिए नींद और रफ्तार-लापरवही अधिक जिम्मेदार हैं। इन तीनों के चलते हर रोज किसी न किसी को अपनी जान से हाथ धोने पड़ रहे हैं। चालक इन तीनों पर कंट्रोल करके सड़क दुर्घटनाओं में कमी ला सकते हैं।

अब तक होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में देखने को मिला है कि यमुना एक्सप्रेस वे हाईवे पर चालक की नींद की झपकी के कारण होने वाले कई संगीन सड़क हादसों में कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके बाद भी वाहन चालक नींद आने पर भी लगातार वाहन को चलाते रहते हैं, परिणामस्वरूप हादसे हो रहे हैं।

इसके साथ ही लापरवाही से वाहन चलाने वाले लोग भी सड़क हादसों के लिए जिम्मेदार हैं। सड़क पर लापरवाही से वाहन चलाने ओवर टेक करने और कटों पर वाहनों को लापरवाही से निकालने के कारण भी दुर्घटनाएं हो रही है। इसके अलावा दुर्घटनाओं की तीसरी वजह वाहन की ओवर स्पीडिंग है। तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर हादसों को दावत दे रहे हैं। यातायात निरीक्षक शौर्य कुमार का कहना है कि अगर किसी चालक को नींद आती है तो वह भरपूर नींद लेने के बाद ही वाहन को चला कर हादसों को कम कर सकता है। इसके साथ ही चालक सड़क पर वाहन को निर्धारित गति सीमी से अधिक गति से न चलाकर भी हादसों को रोक सकते हैं। अपनी और वाहन में सवार लोगों की जान बचा सकते हैं। यही नहीं अगर चालक सड़क पर वाहनों को ओवरटेक और कटों पर लापरवाई से वाहन को न चलाकर हादसों को कम कर लोगों की जान बचा सकते हैं।

मासूमों का सफर अधूरा, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

छटीकरा फ्लाईओवर के पास हुए हादसे ने दो मासूम बच्चों की जिंदगी छीन ली। दस वर्षीय कान्हा और चार वर्षीय रुद्र भी इस हादसे में जान गंवा बैठे। जिस सफर पर परिवार के साथ खुशियों और यादों की उम्मीद लेकर निकले थे, वह कभी न भूलने वाले दुख में बदल गया। हादसे में 12 वर्षीय पलक समेत परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हो गए। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अस्पताल में अपनों को खोने की खबर से परिवार में मातम छा गया।



चालानों का भी खौफ नहीं, सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे रोंग साइड वाहन



यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान और चालान की कार्रवाई भी वाहन चालकों की लापरवाही पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। शहर से लेकर कस्बों तक यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कहीं वाहन चालक रोंग साइड दौड़ रहे हैं तो कहीं तेज रफ्तार और बिना हेलमेट सफर कर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। नाबालिगों के हाथों में वाहन थमाकर अभिभावक भी हादसों को न्योता दे रहे हैं।

शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर दोपहिया से लेकर चारपहिया वाहन चालक कुछ मिनट बचाने के चक्कर में गलत दिशा से वाहन निकालते हैं। इससे सामने से आने वाले वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं और दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। निर्धारित गति सीमा की अनदेखी भी आम हो गई है। एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी ने बताया कि शासन की ओर से वाहनों की गति सीमा निर्धारित है, लेकिन चालक जल्दबाजी में इसका पालन नहीं करते। दोपहिया चालक बिना हेलमेट और चारपहिया चालक बिना सीट बेल्ट के सफर करते हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति नाबालिगों को वाहन चलाने देने की है। कम उम्र और अनुभव की कमी के चलते वे खुद के साथ दूसरों की जान भी खतरे में डालते हैं। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस हजारों चालान कर चुकी है, लेकिन कुछ चालक अपनी आदतों में सुधार नहीं कर रहे। कार्रवाई के दौरान रसूख और परिचितों का दबाव बनाकर बचने की कोशिश भी की जाती है। सड़क सुरक्षा के लिए केवल चालान पर्याप्त नहीं हैं। वाहन चालकों को नियमों का पालन करना होगा और अभिभावकों को नाबालिग बच्चों को वाहन देने से बचना होगा।

हेलमेट-सीट बेल्ट की अनदेखी, नाबालिगों के हाथों में भी थमा रहे स्टेयरिंग, हादसों को दे रहे न्योता

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौमुहां के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। युवक अपनी बुआ के घर शेरगढ़ जा रहा था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

थाना सदर बाजार क्षेत्र के दामोदरपुरा निवासी सुमित (25) पुत्र राजेंद्र सिंह साइकिल से अपनी बुआ के घर शेरगढ़ जा रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौमुहां के समीप पहुंचते ही तेज गति से आए अज्ञात वाहन ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और सुमित गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायल युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुमित की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण पोस्टमार्टम गृह पहुंच गए।

बुआ के घर शेरगढ़ जा रहा था सुमित

जीआरपी थाने में पुलिस झंडा दिवस पर ध्वज को दी सलामी

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस झंडा दिवस पर थाना जीआरपी जंक्शन परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने पुलिस ध्वज को सलामी दी और विभाग के गौरवशाली इतिहास को याद किया।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के त्याग, बलिदान, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। पुलिसकर्मियों को विभाग की गरिमा और सम्मान बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उन्हें निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने कहा कि पुलिस विभाग की पहचान उसकी अनुशासनप्रियता, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना से होती है। पुलिस झंडा दिवस पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास और देश-समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर है।

नए बस अड्डे के समीप मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त नहीं

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने नए बस अड्डे के समीप बृजवासी सेंट्रम के पास से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। शव मिलने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि बृजवासी सेंट्रम के समीप एक युवक का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी ली, लेकिन ऐसा कोई दस्तावेज या वस्तु नहीं मिली, जिससे उसकी पहचान हो सके। मृतक की उम्र करीब 28 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास कर रही है।

बृजवासी सेंट्रम के पास पड़ा मिला 28 वर्षीय युवक का शव पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



स्वगणना में लोकेशन और ओटीपी ने बढ़ाई नागरिकों की परेशानी

धीमे इंटरनेट और पोर्टल की दिक्कतों से अटक रहे फॉर्म, 30 नवंबर तक पूरी करनी है प्रक्रिया



यूनिक समय, मथुरा। डिजिटल जनगणना के तहत जिले में चल रही स्वगणना प्रक्रिया में तकनीकी खामियां नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन रही हैं। कहीं मकान की लोकेशन ट्रेस नहीं हो रही तो कहीं परिवार के मुखिया और अन्य सदस्यों का विवरण दर्ज करने में दिक्कत आ रही है। धीमी इंटरनेट स्पीड के चलते ऑनलाइन फॉर्म भरने में भी अधिक समय लग रहा है। 16 नवंबर से शुरू हुई इस प्रक्रिया के लिए 30 नवंबर अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

स्वगणना के माध्यम से नागरिक मोबाइल या कंप्यूटर पर घर बैठे परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए केंद्र सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर उत्तर प्रदेश का चयन कर मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए सत्यापन करना होता है। इसके बाद परिवार से संबंधित करीब 40 सवालों के जवाब देने होते हैं। इनमें नाम, उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार, वैवाहिक स्थिति, मातृभाषा, दिव्यांगता और प्रवास संबंधी जानकारी शामिल है। मकान का पता और लोकेशन भी दर्ज करनी होती है।

लोकेशन ट्रेस करने और मुखिया का ब्योरा भरने में दिक्कत

स्वगणना के दौरान कई नागरिकों को पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोकेशन दर्ज न होने और परिवार के मुखिया का विवरण स्वीकार नहीं होने से फॉर्म पूरा करने में परेशानी हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि पहले चरण में प्रक्रिया आसानी से पूरी हो गई थी, लेकिन अब पोर्टल पर बार-बार तकनीकी अड़चनें आ रही हैं। धीमे इंटरनेट के कारण भी लोगों को काफी देर तक फॉर्म भरने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

एक दिसंबर से घर पहुंचेंगे प्रगणक

स्वगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नागरिकों को स्वगणना पहचान संख्या (एसईआईडी) जारी की जाती है। इसे सुरक्षित रखना जरूरी है। एक दिसंबर से घर-घर पहुंचने वाले प्रगणकों को नागरिकों को यह पहचान संख्या दिखानी होगी, जिससे दर्ज किए गए विवरण का सत्यापन किया जा सके।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि जिन लोगों ने स्वगणना की प्रक्रिया शुरू कर दी है, वे उसे जल्द से जल्द पूरा करें। जिन परिवारों ने अभी तक ऑनलाइन फॉर्म नहीं भरा है, वे भी डिजिटल जनगणना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

नाबालिगों को वाहन दिया तो अभिभावक पर लगेगा 25 हजार का जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत परिवहन विभाग ने नाबालिगों के वाहन चलाने, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और बिना बीमा वाहन संचालित करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना वैध बीमा के 72 वाहनों और बिना लाइसेंस वाहन चलाने वाले 12 चालकों के चालान किए गए।

शासन और परिवहन आयुक्त के निर्देश पर 16 से 30 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को आठवें दिन वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश राजपूत के नेतृत्व में एआरटीओ प्रवर्तन सत्येंद्र कुमार सिंह और यात्रीकर अधिकारी पूजा सिंह ने कार्रवाई की।

अधिकारियों ने वाहन चालकों और अभिभावकों को मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 की धारा 199 ए की जानकारी दी। बताया गया कि इसके तहत नाबालिग के वाहन चलाते पकड़े जाने पर वाहन स्वामी या अभिभावक पर 25 हजार रुपये तक जुर्माना और तीन वर्ष तक की जेल का प्रावधान है। वाहन का पंजीयन 12 माह के लिए निलंबित किया जा सकता है। वहीं नाबालिग 25 वर्ष की आयु तक ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अपात्र होगा।

पूर्व सैनिक संघ बाजना ने मनाया सातवां स्थापना दिवस



पूर्व सैनिक संघ बाजना के कार्यक्रम में शामिल पूर्व सैनिक और वीर नारी।

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व सैनिक संघ बाजना का सातवां स्थापना दिवस समारोह पीएस फार्म हाउस पर मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल राम अटल और विशिष्ट अतिथि खेमचंद शर्मा नागेश, कोऑर्डिनेटर उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग रहे। अतिथियों ने पूर्व सैनिकों को केंद्र-प्रदेश सरकार के निर्देशों और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पूर्व सैनिकों से एकजुटता और अनुशासन बनाए रखने का आव्हान किया। साथ ही अपनी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने की अपील की।

इस अवसर पर अतिथियों ने वीर नारियों और उनके परिजनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला भूतपूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष कैप्टन जवाहरलाल, उपाध्यक्ष महिपाल सिंह, सुखबीर सिंह, सुभाष प्रधान, सूबेदार योगेंद्र सिंह, रमेश चंद, इंस्पेक्टर पूरन सिंह, मनोज कुमार, कैप्टन महाराज सिंह, सतवीर सिंह, ओमवीर सिंह, रणधीर सिंह और हरिओम तिवारी ने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता पाल सिंह चाहर ने की, जबकि संचालन दिलावर सिंह प्रधान ने किया।

डायरेक्टर के दौरे से पहले चमकने लगी पालीखेड़ा मंडी

यूनिक समय, मथुरा। पालीखेड़ा स्थित मंडी समिति में डायरेक्टर जितेंद्र प्रताप के प्रस्तावित दौरे और निरीक्षण से पहले साफ-सफाई का अभियान शुरू करा दिया गया है। मंडी परिसर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाने के लिए कर्मचारी जुटे हुए हैं। मंडी सचिव रेनू वर्मा ने सफाई कर्मचारियों को परिसर के सभी हिस्सों की बेहतर ढंग से सफाई करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण से पहले मंडी के अलग-अलग हिस्सों में सफाई कराई जा रही है। परिसर में जमा गंदगी को हटाने के साथ पेड़ों की छंटाई भी कराई गई है। कर्मचारियों को व्यवस्था दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डायरेक्टर के दौरे को लेकर मंडी प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

हत्या के मामले में महिला सहित दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने हत्या के मामले में एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर को हुई हत्या के मामले में अज्ञात के खिलाफ थाना शेरगढ़ में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी रोहित निवासी अगरयाला, थाना शेरगढ़ और एक महिला को नौगांव के समीप एक होटल के पास से गिरफ्तार किया है।

संत-महात्माओं के सान्निध्य में श्रद्धा उल्लास से मना बृज आनंद उत्सव



बृज आनंद उत्सव में खुशी मनाते पदाधिकारी और संत-महंत आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। बृज सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित बृज आनंद उत्सव-दीप महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। आयोजन में संत-महात्माओं का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। श्रीमद् जगद्गुरु नाभा द्वाराचार्य पीठाधीश्वर स्वामी सुतिक्ष्ण दास देवाचार्य, हनुमानगढ़ी अयोध्या के संत राजू दास और मनोज मोहन शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में भव्य दीपदान, भजन-संकीर्तन और धार्मिक आयोजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर बृज की सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। इस अवसर पर बृज भक्त रमाकांत गोस्वामी, भागवताचार्य सुमंत कृष्ण शास्त्री, यात्रा पुरोहित पंडित केशव पंडा और पंडित मोहित दुबे उपस्थित रहे।

भव्य दीपदान, भजन-संकीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण

बृज सेवा फाउंडेशन ने साझा किए सेवा प्रकल्प

मीडिया प्रभारी आशीष गर्ग ने संस्था के स्वच्छ बृज-पावन बृज अभियान, शीतल जल सेवा, पौधारोपण, प्रसाद ऑन व्हील, बृज यात्री सुविधा केंद्र और तीर्थयात्री परिवहन सेवा की जानकारी दी।

संयोजक नितिन और अंकुश ने अतिथियों का आभार जताया। इस अवसर पर राहुल, रश्मि, नीरज, चंद्रशेखर, भावना, योगिता, अभिषेक, नम्रता, शालू, नितिन बगिया, खुशबू, शोभा, दीपक, प्रशांत, दीप्ति, संजय जौहरी, पूजा, आकाश, रजनीश, मनोज, नूपुर, पलक एवं उमेश लखवानी सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

(श्री अग्रवाल शिक्षा मण्डल 'रजि.' मथुरा द्वारा संचालित)

ब्रज चिकित्सा संस्थान

स्थापना वर्ष : 1978 — दरेसी रोड, मथुरा

प्रातःकालीन ओ.पी.डी. — विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा

कंसल्टेंट फिजीशियन डॉ. हरेश कुमार रावत MBBS, MD (Internal Medicine) पूर्व चिकित्सक - LNJP एवं सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली हृदय, वक्ष, गुर्दा, मस्तिष्क एवं पेट रोग विशेषज्ञ सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 बजे तक	नवजात शिशु एवं बाल रोग विभाग डॉ. रासबिहारी पाण्डेय MBBS, MD (बाल रोग), गोल्ड मेडलिस्ट कंसल्टेंट नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ नवजात शिशु विज्ञान में फेलोशिप (NNF) Ex-Consultant - Cloudnine Hospital (Noida) सुबह 9:30 से दोपहर 12:00 बजे तक	कंसल्टेंट फिजीशियन डॉ. अंजलि चौधरी MBBS, MD (कंसल्टेंट फिजिशियन) डायबिटोलॉजिस्ट (CPCDM - RSSDI) Ex- Resident, RML Hospital, Delhi Ex-Resident, Sanjay Gandhi Hospital, Delhi सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक
हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग डॉ. सौरभ बंसल MBBS, MS (ऑर्थो) MIOA वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ जोड़ प्रत्यारोपण एवं आर्थोस्कोपी के क्षेत्र में 15 वर्षों से भी ज़्यादा अनुभवी Ex-HOD, नयति हॉस्पिटल, मथुरा सुबह 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक	स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग डॉ. एकता थदानी सिंह MBBS, DGO स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक	स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग डॉ. नम्रता सिंह MBBS, MS स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक
दंत रोग विभाग डॉ. शिल्पी मंगला BDS, MIDA दंत रोग विशेषज्ञ सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक	नाक, कान, गला रोग रोग विभाग डॉ. अभिषेक जोशी MS नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन सुबह 10:00 से 11:30 बजे तक	नेत्र रोग विभाग डॉ. विशाल उप्पल MBBS, DOMS नेत्र रोग विशेषज्ञ सुबह 11:00 से दोपहर 12:30 बजे तक
होम्योपैथिक विभाग डॉ. पार्थ भार्गव BHMS, होम्योपैथी होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सोमवार से शुक्रवार सुबह 11:00 से दोपहर 2:00 बजे तक	फिजियोथेरेपिस्ट विभाग डॉ. रजनी भल्ला BPT, MIAP कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे तक	OPD परामर्श शुल्क प्रातःकालीन ओ.पी.डी. ₹100/- सायंकालीन ओ.पी.डी. ₹150/-

सायंकालीन ओ.पी.डी. — विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा

जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल गुप्ता MBBS, MD (मेडिसिन) BHU (वाराणसी) हृदय, वक्ष, गुर्दा एवं पेट रोग विशेषज्ञ Fellowship in Echocardiography (2D Echo) Ex. Senior Resident Safdarjung Hospital, New Delhi SMS Medical College, Jaipur Medanta Hospital, Gurugram शाम 4:00 से 7:00 बजे तक	नाक, कान, गला रोग रोग विभाग डॉ. प्रीति बंसल MBBS (गोल्ड मेडलिस्ट), MS (ENT) नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन सोमवार से शुक्रवार शाम 4:00 से 6:00 बजे तक होम्योपैथिक विभाग डॉ. पार्थ भार्गव BHMS, होम्योपैथी होम्योपैथिक फिजीशियन सोमवार से शुक्रवार शाम 4:00 से 6:00 बजे तक	हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग डॉ. सौरभ बंसल MBBS, MS (ऑर्थो) MIOA वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ जोड़ प्रत्यारोपण एवं आर्थोस्कोपी के क्षेत्र में 15 वर्षों से भी ज़्यादा अनुभवी Ex-HOD, नयति हॉस्पिटल, मथुरा शाम 5:00 से 6:00 बजे तक सायंकालीन ओ.पी.डी. समय शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक 2 नवम्बर 2026 से प्रारम्भ (सोमवार से शनिवार)

उपलब्ध सुविधायें (किफायती दरों पर)

पैथोलॉजी (जाँच सुविधायें) | डिजिटल एक्स-रे एवं ECG | अल्ट्रासाउण्ड (USG) | डायलिसिस सुविधा

contact: 7300712610 रविवार ओ.पी.डी. अवकाश

अनुभवी चिकित्सक ♦ आधुनिक सुविधायें ♦ समर्पित सेवा ♦ आपके परिवार के लिए भरोसेमंद

कढ़ाईदार शॉल और एथनिक लेयरिंग का महिलाओं में बढ़ा क्रेज

सर्दी की दस्तक के साथ गर्म कपड़ों के बाजार में बढ़ी रौनक

शादी-समारोहों के लिए डिजाइनर शॉल की मांग

कश्मीरी वर्क, प्रिंटेड पश्मीना और वेलवेट स्टोल पहली पसंद



यूनिक समय, मथुरा। गुलाबी ठंड की दस्तक और शादी-ब्याह के सीजन के साथ ही गर्म कपड़ों के बाजार में महिलाओं की पसंद बदलने लगी है। इस बार सर्दियों के फैशन में साधारण शॉल के बजाय कढ़ाईदार शॉल, प्रिंटेड पश्मीना और डिजाइनर वूलन स्टोल का क्रेज बढ़ रहा है। पारंपरिक परिधानों के साथ एथनिक लेयरिंग का नया अंदाज महिलाओं और युवतियों को खासा पसंद आ रहा है। सर्दी से बचाव के साथ फैशनेबल दिखने की चाह ने डिजाइनर शॉल की मांग बढ़ा दी है।

होलीगेट, छत्ता बाजार, चौक बाजार, कृष्णा नगर के कपड़ा बाजारों में खरीदारी के लिए महिलाओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। साड़ी, सूट और कुर्ती के साथ मैचिंग और कंट्रास्ट कढ़ाई वाले शॉल खूब पसंद किए जा रहे हैं। खासकर युवतियां और कामकाजी महिलाएं साधारण कुर्ता सेट के साथ भारी कारीगरी वाले स्टेटमेंट शॉल पहनकर आकर्षक लुक अपना रही हैं। कपड़ा कारोबारी गौरव अग्रवाल और हरवंश के अनुसार, इस बार एथनिक लेयरिंग का फैशन अधिक पसंद किया जा रहा है। डिजाइनर शॉल साधारण परिधान को भी पार्टी वियर लुक देते हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए व्यापारियों ने अमृतसर, लुधियाना और कश्मीर से शॉल और स्टोल की नई रेंज मंगाई है। उम्मीद है कि ठंड बढ़ने और सहालग का दौर तेज होने के साथ डिजाइनर शॉल और स्टोल की बिक्री में और इजाफा होगा।

इन डिजाइनों की सबसे ज्यादा मांग

कश्मीरी और आरी वर्क शॉल: बारीक धागों और जरी की कढ़ाई वाले शॉल शादी-समारोहों में साड़ियों के साथ पसंद किए जा रहे हैं।

प्रिंटेड पश्मीना स्टोल: हल्के वजन और आकर्षक डिजिटल प्रिंट वाले स्टोल रोजमर्रा और ऑफिस के इस्तेमाल के लिए महिलाओं की पसंद बने हुए हैं।

वेलवेट और वूलन फ्यूजन: बॉर्डर वर्क वाले वेलवेट और वूलन स्टोल ठंड से बचाव के साथ शाही लुक दे रहे हैं।

अपात्र शिक्षक की परीक्षा ड्यूटी लगी तो प्रधानाचार्य-प्रबंधक पर गिरेगी गाज

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2027 में अपात्र शिक्षकों की ड्यूटी लगाने पर अब संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य और प्रबंधक की जवाबदेही तय होगी। यदि कोई अपात्र शिक्षक परीक्षा ड्यूटी, प्रयोगात्मक परीक्षा या उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में लगाया जाता है तो संबंधित संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए शिक्षकों-शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का ऑनलाइन सत्यापन कराने के साथ कंप्यूटरीकृत पहचान पत्र तैयार कराने की व्यवस्था की है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला

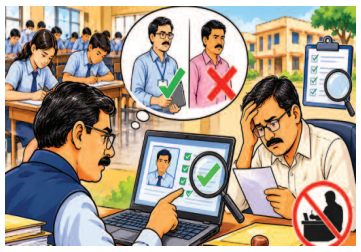

विद्यालय निरीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। पत्र के अनुसार इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम 1921 की विनियमावली के तहत विद्यालयों में निर्धारित शैक्षिक अर्हता रखने वाले शिक्षक ही नियुक्त किए जा सकते हैं। इसी आधार पर विद्यालयों द्वारा परिषद के पोर्टल पर अपलोड किए गए शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के

यूपी बोर्ड परीक्षा 2027 के लिए शिक्षकों का होगा ऑनलाइन सत्यापन

कक्ष निरीक्षक से मूल्यांकन तक कंप्यूटरीकृत आईकार्ड से होगी पहचान

विवरण की जांच की जाएगी।

डीआईओएस अपने लॉगिन के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों के विवरण का परीक्षण-सत्यापन करेंगे। इस प्रक्रिया को आगामी 10 दिसंबर तक हर हाल में पूरा कर ऑनलाइन सबमिट करना अनिवार्य किया गया है। जांच में किसी विद्यालय में अपात्र शिक्षणकर्मी मिलने पर संबंधित संस्था पर दंड अधिरोपित किया जाएगा। प्रधानाचार्य और प्रबंधक को अपने विद्यालय के कर्मचारियों की पात्रता सुनिश्चित करनी होगी।

डीआईओएस राघवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी शिक्षक का विवरण दो अलग-अलग विद्यालयों में दर्ज न हो।

विद्यालय छोड़ चुके और दिवंगत हो चुके कर्मचारियों के नाम पोर्टल से हटाने होंगे। इसके अलावा बोर्ड की ओर से पूर्व में डिबार किए गए शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को अनिवार्य रूप से डिबार श्रेणी में दर्ज करना होगा, ताकि उन्हें परीक्षा संबंधी जिम्मेदारी न सौंपी जा सके।

कक्ष निरीक्षक से मूल्यांकन तक बनेगा कंप्यूटरीकृत आईकार्ड

यूपी बोर्ड परीक्षा 2027 में कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी, प्रयोगात्मक परीक्षा और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के लिए शिक्षकों-कर्मचारियों के कंप्यूटरीकृत पहचान पत्र तैयार किए जाएंगे। इसके लिए पोर्टल पर शिक्षकों का नाम, पदनाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, मोबाइल नंबर और अध्यापन विषय का कोड दर्ज कराया गया है। साथ ही स्नातक-परास्नातक की शैक्षिक योग्यताओं से संबंधित प्रमाणपत्र भी अपलोड कराए गए हैं।

गुरुजी कर रहे स्वगणना स्कूलों में ठप हो रही पढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में एक ओर अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं संचालित हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर शिक्षकों की बड़े पैमाने पर स्वगणना कार्य में ड्यूटी लगा दी गई है। जनपद के शिक्षकों को इस काम में लगाए जाने से सरकारी स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था चरमरा गई है। हालात यह हैं कि जिले एकल विद्यालयों में तैनात इकलौते शिक्षक को भी स्वगणना की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब गुरुजी ही स्कूल से बाहर रहेंगे तो बच्चों को पढ़ाएगा कौन।

सबसे ज्यादा परेशानी उन विद्यालयों में सामने आ रही है, जहां केवल एक ही शिक्षक तैनात है। शिक्षक के स्वगणना कार्य में जाने से विद्यालय में पढ़ाई और परीक्षा संबंधी गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। वहीं, जिन विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या अधिक है, वहां भी एक-दो शिक्षकों को छोड़कर अधिकांश की ड्यूटी लगा दी गई है। ऐसे में सीमित शिक्षकों के सहारे स्कूलों का संचालन करना पड़

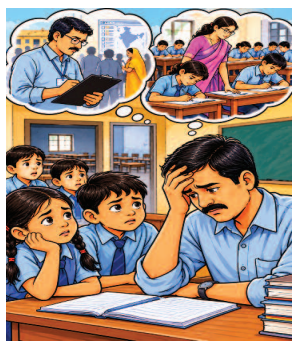

रहा है। वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। यह समय विद्यार्थियों की तैयारी, परीक्षा संचालन और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में शिक्षकों को स्वगणना कार्य में लगाए जाने से पढ़ाई के साथ परीक्षा संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन भी मुश्किल हो गया है। शिक्षकों की कमी का सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। जिन बच्चों को इस समय परीक्षा की तैयारी और विषयों के दोहराव की जरूरत है, उन्हें पर्याप्त शैक्षणिक

शिक्षकों की ड्यूटी से लड़खड़ाई परिषदीय विद्यालयों की व्यवस्था

अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के बीच विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित

मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा।

वैसे, शिक्षा अधिकारी शिक्षकों की ड्यूटी को लेकर रोस्टर तैयार कराने की बात कह रहे हैं। इसके तहत शिक्षकों को बारी-बारी से स्वगणना कार्य में भेजा जाएगा, ताकि विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था प्रभावित न हो। हालांकि, फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के बीच एकल विद्यालयों के बच्चों की पढ़ाई की भरपाई कैसे होगी। व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाले विभाग को यह भी तय करना होगा कि सरकारी कामकाज के चलते विद्यार्थियों की शिक्षा बाधित न हो।

देव दीपावली पर घाटों की व्यवस्था संभालेंगे महासंघ के पदाधिकारी



देव दीपावली को लेकर आयोजित बैठक में पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक पूर्णिमा पर 24 नवंबर को आयोजित होने वाले देव दीपावली पर्व की तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ और धर्म यात्रा महासंघ की संचालन कमेटी की बैठक कोतवाली रोड स्थित रतनलाल मोतीलाल प्रतिष्ठान पर हुई। बैठक में आयोजन को भव्य, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विशेष रूप से श्रृंगार घाट और प्रयाग घाट पर होने वाली व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। दोनों घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, आयोजन की सुचारू व्यवस्था और जिम्मेदारियों के निर्वहन को लेकर पदाधिकारियों-सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए।

सभी सदस्यों ने देव दीपावली पर्व को

श्रृंगार घाट और प्रयाग घाट पर व्यवस्थाओं को लेकर हुआ मंथन

श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन को व्यवस्थित बनाने पर जोर

श्रद्धा, भक्ति और आपसी सहयोग के साथ सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पंडित मुरारीलाल उपाध्याय, विनोद चतुर्वेदी (बॉबी), अजय चतुर्वेदी, यज्ञदत्त चतुर्वेदी, राजेश गोयल, महेश अग्रवाल (हींग वाले), विमल अग्रवाल, मीडिया प्रभारी अखिलेश मिश्रा पिंटू, आशू शर्मा और मनीष चतुर्वेदी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, नकदी और तमंचा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने घरों में चोरी करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के माल की बिक्री से प्राप्त दस हजार रुपये, 315 बोर का देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, बलदेव रोड से सिहोरा जाने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान विष्णु निवासी सिहोरा और मनीष निवासी नगला पतिया, सिहोरा को गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है।

हाईवे और वृंदावन कोतवाली के प्रभारी बदले

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन में आमद कराने वाले निरीक्षकों को थानों की जिम्मेदारी सौंपनी शुरू कर दी है। इसी क्रम में निरीक्षक बैजनाथ सिंह को थाना हाईवे का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है, जबकि राजेश कुमार पांडेय को वृंदावन कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है।

पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में रोमेक्स स्कूल ने जीते 23 पदक



पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में पदक जीतने पर खुशी मनाते खिलाड़ी और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। आरसीए गर्ल्स पीजी कॉलेज वृंदावन गेट में 22 नवंबर को आयोजित द्वितीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप 2026-27 में रोमेक्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित कुल 23 पदक हासिल किए। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन और इंडियन पेंचक सिलाट फेडरेशन के सहयोग से किया गया।

स्वर्ण पदक विजेताओं में सोनाक्षी चौधरी, प्रिंस चौधरी, समर सिंह, जिज्ञांशी निमोनिया, अव्यान कुमार अग्रवाल, सुरभि, विप्लव सिंह, निधि चौधरी, जय पांडे, गौरी सिंह, वंश अग्रवाल, ईशान अजीत सिंह, आतिफ उस्मानी और वैभव

14 स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य पदक जीते

गुर्जर शामिल रहे। तेजस्वी, तरुण राणा, रुद्र प्रताप सिंह, मानवी शर्मा, ऋषभ उपाध्याय और लवकुश ने रजत पदक जीते। वहीं माही ठाकुर, मिहिर शर्मा और दक्ष राज सिंह ने कांस्य पदक हासिल किए।

विद्यालय के चेयरमैन एसपी सिंह, निदेशक कृष्ण चौधरी और प्रधानाचार्य डॉ. प्रिया चौधरी ने खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत और प्रशिक्षक कोच कंचन के मार्गदर्शन को दिया। विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जूनियर में यूपी और सीनियर वर्ग में राजस्थान बना चैंपियन



यूनिक समय, गोकुल। माउंट हिल स्कॉलर्स एकेडमी के खेल प्रांगण में आयोजित अखिल भारतीय आमंत्रण पारंपरिक खेल एवं नॉर्थ जोन ड्रिपबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। खो-खो, कबड्डी और ड्रिपबॉल के रोमांचक मुकाबलों में जूनियर वर्ग की ओवरऑल चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश ने जीती, जबकि सीनियर वर्ग में राजस्थान की टीम चैंपियन बनी। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने जूनियर एवं सीनियर वर्ग में प्रतिभाग किया। चयनित खिलाड़ी 17 से 19 जनवरी 2027 तक लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होने वाली राष्ट्रीय स्पोर्ट्स मीट में अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे। समारोह की अध्यक्षता एकेडमी के

गोकुल में अखिल भारतीय पारंपरिक खेल एवं नॉर्थ जोन ड्रिपबॉल प्रतियोगिता का समापन

अभिषेक शर्मा ने की। संचालन कार्यक्रम संयोजक एवं जिला खो-खो संघ अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह ने किया। मुख्य अतिथि भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार चित्तौड़िया तथा विशिष्ट अतिथि परिषद सचिव एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह, बबीता ओबेरॉय और एकेडमी की यामिनी तिवारी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में प्रेम जी, सुभाष जी और मानवी जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संविधान दिवस पर एक साथ प्रस्तावना पढ़ेंगे 10 हजार विद्यार्थी

'एक स्वर-एक संविधान' कार्यक्रम में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का देंगे संदेश

यूनिक समय, मथुरा। संविधान दिवस पर 26 नवंबर को मथुरा में 'एक स्वर- एक संविधान' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के करीब 8 से 10 हजार छात्र-छात्राएं एक साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करेंगे। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों और आमजन को संविधान के प्रति जागरूक करने के साथ संवैधानिक मूल्यों के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से यह कार्यक्रम गुरुवार सुबह 8:30 बजे संस्कार पब्लिक स्कूल, महोली रोड स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में आयोजित होगा। अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश विकास कुमार करेंगे। इसमें न्यायिक, पुलिस और प्रशासनिक विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने बताया कि हजारों विद्यार्थी एक साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर उसके मूल आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे।

कार्यक्रम में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता जैसे संवैधानिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के साथ विद्यार्थियों को मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाएगा। सामूहिक वाचन के जरिए राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक चेतना का संदेश भी दिया जाएगा।

खड़े टैंकर में पीछे से घुसा टैंकर चालक-क्लीनर की मौत

यूनिक समय, राया। थाना क्षेत्र के गांव हुलु के समीप बरेली हाईवे पर सोमवार दोपहर भीषण सड़क हादसे में टैंकर चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान क्लीनर की भी मौत हो गई। पेट्रोलियम पदार्थ से भरा अनियंत्रित टैंकर सड़क किनारे खड़े दूसरे टैंकर में पीछे से जा घुसा। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त टैंकर में फंसे चालक के शव और घायल क्लीनर को बाहर निकाला।

जानकारी के अनुसार, एक टैंकर खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान मथुरा की ओर से



आ रहा पेट्रोलियम पदार्थ से भरा टैंकर उसमें जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि खेतों में काम कर रहे ग्रामीण धमाके की आवाज सुनकर घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े।

पुलिस ने क्रेन की मदद से पेट्रोलियम पदार्थ से भरे टैंकर में फंसे चालक कुंमरपाल सिंह निवासी

क्रेन की मदद से निकाले गए चालक के शव और घायल परिचालक

मोजीपुरा, थाना इगलास, अलीगढ़ के शव को बाहर निकाला। वहीं घायल क्लीनर श्यामवीर सिंह (50) निवासी अगोरना, थाना इगलास, अलीगढ़ को निकालकर अस्पताल भिजवाया, जहां उपचार के दौरान क्लीनर की भी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। टैंकर में पेट्रोलियम पदार्थ भरा होने के बावजूद कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

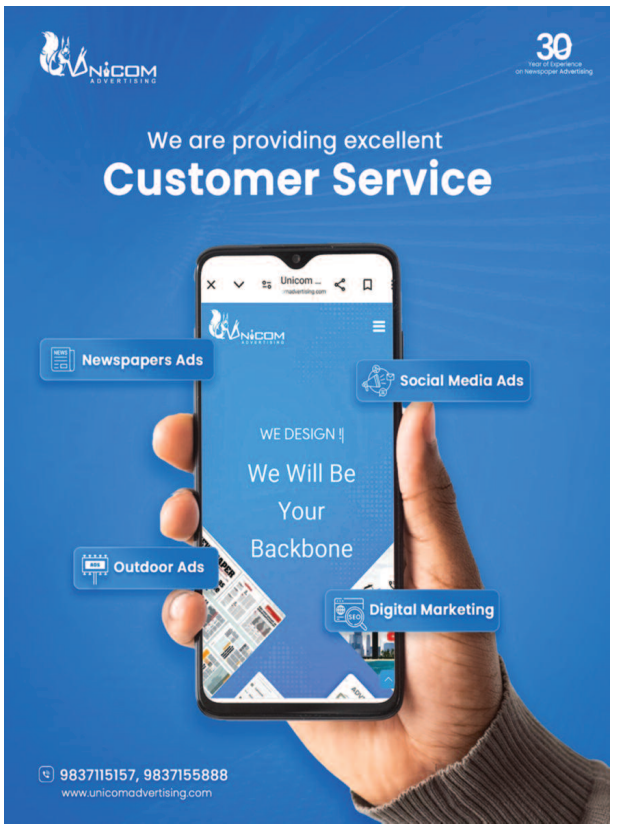

राधा वृंदावनचंद्र की शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



शोभायात्रा में मौजूद एडीएजी एसके भगत, बैंडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव का श्रीश्री राधा वृंदावनचंद्र की भव्य शोभायात्रा के साथ समापन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा और जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।

समापन समारोह का शुभारंभ एडीजी एसके भगत और विधायक श्रीकांत शर्मा ने ठाकुर जी का पूजन-अर्चन और सोहनी सेवा कर किया। आरती के बाद भगवान को चंदन की लकड़ी से निर्मित आकर्षक रथ पर विराजमान कराया गया। श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर मंदिर परिसर की परिक्रमा की। इससे पूर्व

फूल बंगला, छप्पन भोग और दीपदान के साथ तीन दिवसीय कार्तिक उत्सव का समापन

ठाकुर जी को विशेष पालकी में गर्भगृह से मंदिर परिसर में लाया गया। भगवान का आकर्षक पोशाक से श्रृंगार किया गया। सुगंधित और रंग-बिरंगे पुष्पों से सजे फूल बंगले ने भक्तों का मन मोह लिया। ठाकुर जी को छप्पन भोग अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री दामोदराष्टकम का गान किया और ठाकुर जी के श्रीचरणों में दीप प्रज्वलित कर दीपदान किया। दीपों की रोशनी और संकीर्तन की मधुर ध्वनि के बीच कार्तिक उत्सव भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

भाजपा एससी मोर्चा का कोटवन में बस्ती संपर्क अभियान



कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी।

यूनिक समय, कोसीकलां। भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर अनुसूचित जाति मोर्चा जिला मथुरा के बैनर तले छाता विधानसभा के नंदगांव मंडल के गांव कोटवन में बस्ती संपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान जनता ने भाजपा पदाधिकारियों का भव्य स्वागत, सम्मान-अभिनंदन किया।

अभियान के दौरान ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों में अपनी आस्था व्यक्त की। गांव में अनुसूचित समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसने डा. भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार किया है। मोदी और योगी की सरकार ने अनुसूचित समाज को सिर्फ वोट बैंक नहीं, बल्कि परिवार माना है। अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा हमेशा दलित, शोषित और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करती रहेगी। इस मौके पर अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला मंत्री अशोक वाल्मीकि, जिला कार्यकारिणी सदस्य विकास वाल्मीकि सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोसीकलां थाने के नए प्रभारी बने प्रवेश राणा

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां थाने के नए प्रभारी निरीक्षक के रूप में प्रवेश राणा ने पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के



बाद उन्होंने थाने का निरीक्षण कर मातहतों को आवश्यक निर्देश दिए।

तो जतार्रार कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले प्रवेश राणा ने कहा कि कोसीकलां क्षेत्र में अपराध पर पूर्ण अंकुश लगाना, अवैध कार्यों पर रोक लगाना और

कहा- अपराध पर अंकुश और शांति व्यवस्था होगी प्राथमिकता

कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और आम जनता को त्वरित न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा, वहीं शरीफ और आम नागरिकों के साथ पूरा सम्मान और सहयोग किया जाएगा।

बाइक हटाने को लेकर पति-पत्नी से मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली क्षेत्र के गांव लौहई में बाइक हटाने को लेकर हुए विवाद में पति-पत्नी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद समेत चार-पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी सुनील कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि 21 अक्टूबर को गांव में मेला लगा हुआ था। करीब 11 बजे कुछ लोग उसके पास आए और बाइक हटाने को कहने लगे। वजह पूछने पर आरोपियों ने उसकी बाइक गिरा दी और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

लौहई गांव में मेले के दौरान हुई घटना, सनी भोला समेत अज्ञात लोगों पर आरोप

शोर सुनकर उसकी पत्नी बचाने पहुंची तो उसके साथ भी लात-घूंसों से मारपीट की गई और साड़ी खींचने का आरोप है।

पीड़ित के अनुसार, पत्नी के शरीर में काफी चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, सनी और भोला निवासी लौहई समेत चार-पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

देशी पिस्टल और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने लाडो गेट के पास स्थित एक गेस्टहाउस से युवक को देशी पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 32 बोर की देशी पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

एमडी जैन पब्लिक स्कूल में 25 नवंबर को वार्षिकोत्सव आभा-2 का आयोजन

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के एमडी जैन पब्लिक स्कूल-एमडी जैन प्री सेकेंडरी स्कूल, माभई में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन और विद्यालय का वार्षिक समारोह आभा-2 (नवीन ऊर्जा का संचार) थीम पर 25 नवंबर बुधवार को दोपहर 12 बजे से विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में संस्कृति विश्वविद्यालय छाता के कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता मुख्यातिथि होंगे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में पीसीजे होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली के मैनेजिंग डायरेक्टर पी.सी. जैन मौजूद रहेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति, संस्कृति और शिक्षा पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। बच्चों ने कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस मौके पर श्री जैन शिक्षा सोसाइटी के संरक्षक ओमप्रकाश जैन, अध्यक्ष सुभाष चंद जैन लोहा वाले, प्रबंधक कैलाश चंद जैन चंदौरिया, एमडी जैन प्री सेकेंडरी के अध्यक्ष विजय कुमार जैन सर्राफ, प्रबंधक राजेंद्र कुमार जैन किताब वाले सहित समस्त कमेटी सदस्य मौजूद रहेंगे।

बैकुंठ चतुर्दशी पर सत्यनारायण मंदिर में भव्य बैकुंठ सेवा महोत्सव का आयोजन

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के प्राचीन मंदिर ठा. श्री सत्यनारायण महाराज बल्देवगंज में सोमवार को बैकुंठ चतुर्दशी के उपलक्ष्य में भव्य बैकुंठ सेवा महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया।

मंदिर परिसर में शाम 6 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सबसे पहले भगवान सत्यनारायण को 56 प्रकार के व्यंजनों का 56 भोग अर्पित किया गया। ठाकुर जी का फूलों से भव्य फूल बंगला सजाया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर के मुख्य द्वार को बैकुंठ द्वार के रूप में भव्य रूप से सजाया गया था। मान्यता है कि इस दिन बैकुंठ द्वार से

56 भोग और फूल बंगला बना आकर्षण का केंद्र

गुजरने पर बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बैकुंठ द्वार से गुजरकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके बाद सैकड़ों दीपों से दीपदान किया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठा।

देर शाम भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन मंडली ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा वातावरण जय श्री सत्यनारायण के जयघोष से गूंज उठा।

एक्सप्रेस-वे पर स्कॉर्पियो ने दंपति-बेटे को रौंदा, तीनों की मौत

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां क्षेत्र के गांव दहगांव निवासी एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से पति-पत्नी और उनका जवान बेटा काल के गाल में समा गए। तीनों गाजियाबाद में रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। हादसे की खबर मिलते ही दहगांव में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, हरलाल (55) अपनी पत्नी गुड्डो (50) और

कोसीकलां के दहगांव निवासी परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

शादी में शामिल होने गाजियाबाद गए थे, हादसे के बाद चालक फरार

बेटे तेजवीर (21) के साथ तीन दिन पहले गाजियाबाद के बागू निवासी रिश्तेदार नरेश कुमार की बेटी प्रियंका की शादी में शामिल होने गए थे। 21 नवंबर को शादी होने के बाद सोमवार को तीनों को पलवल जाना था। इसके लिए वे ईएमयू ट्रेन पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन जा रहे थे।

सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे बागू के पास एचपी पेट्रोल पंप के सामने रेलवे स्टेशन जाने के दौरान तीनों दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पार कर रहे थे। इसी दौरान मेरठ से दिल्ली की ओर जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

उधर, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से गांव दहगांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिस परिवार में शादी की खुशियां थीं, वहां हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया।

सुविचार

कल्पनाओं के पंख लगाकर शब्द नई दुनिया का निर्माण करते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	11:42-11:42 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	कृत्तिका	02:02-11:25 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:47 AM	चन्द्रोदय	05:02 PM	
सूर्यास्त		5:25 PM	चंद्रास्त	06:14 AM	
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	मेष राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:58-05:51	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		02:46 AM: 04:05 AM	वार	मंगलवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

दुकान और ऑफिस में हरे रंग की चीजें रखना माना जाता है शुभ



यूनिक समय, मथुरा। कारोबार में तरक्की, ग्राहकों की बढ़ती संख्या और कामकाज में सफलता हर व्यापारी की चाहत होती है। इसके लिए लोग मेहनत और बेहतर योजना के साथ अपने कार्यस्थल के माहौल पर भी ध्यान देते हैं। वास्तु शास्त्र में दुकान और ऑफिस की सजावट के साथ रंगों को भी विशेष महत्व दिया गया है। इन्हीं में हरे रंग को विकास, सकारात्मकता और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

हरे पौधे और सजावटी सामान से बढ़ाएं सकारात्मकता

हरी फाइल और स्टेशनरी का भी कर सकते हैं इस्तेमाल

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, दुकान या ऑफिस में हरे रंग की वस्तुएं रखने से वातावरण में ताजगी और सकारात्मकता का एहसास होता है। ज्योतिषीय मान्यता में हरे रंग का संबंध बुध ग्रह से माना गया है। बुध को बुद्धि, व्यापार, संवाद और समझदारी का कारक बताया जाता है। इसी वजह से व्यावसायिक स्थानों पर इस रंग का इस्तेमाल शुभ माना जाता है।

वास्तु मान्यता के अनुसार, दुकान या ऑफिस में मनी प्लांट, बांस का पौधा अथवा अन्य हरे पौधे लगाए जा सकते हैं। पौधों से कार्यस्थल में हरियाली और ताजगी बनी रहती है। हालांकि, पौधों को ऐसी जगह रखना चाहिए जहां उन्हें पर्याप्त रोशनी और हवा मिल सके। यदि जगह कम है तो हरे रंग का छोटा डेकोरेटिव आइटम, पेन स्टैंड या टेबल एक्सेसरी भी रख सकते हैं।

ऑफिस में हरे रंग की फाइल, नोटबुक, पेन स्टैंड और दूसरी स्टेशनरी का इस्तेमाल करना भी एक आसान विकल्प है। इससे कार्यस्थल की सजावट में हरे रंग को शामिल किया जा सकता है। ध्यान रखें कि दुकान और ऑफिस में जरूरत से ज्यादा सजावट करने के बजाय व्यवस्थित माहौल बनाए रखना बेहतर है। सूखे और मुरझाए पौधों को हटाते रहें तथा साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें। वास्तु संबंधी ये धार्मिक मान्यताएं हैं, कारोबार की सफलता मेहनत, सही प्रबंधन और बेहतर ग्राहक सेवा पर निर्भर करती है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

नौकरी में तरक्की चाहिए तो शुक्र नीति की ये बातें अपनाएं



सही संस्थान और काम का चुनाव जरूरी

अच्छे नेतृत्व से निखरता है करियर

यूनिक समय, मथुरा। नौकरी में अच्छी सैलरी और ऊंचा पद पाने के लिए मेहनत के साथ सही निर्णय लेना भी जरूरी है। आचार्य शुक्राचार्य की शुक्र नीति में जीवन, प्रशासन और कार्यक्षेत्र से जुड़े कई ऐसे सिद्धांत बताए गए हैं, जिन्हें आज के करियर में भी उपयोगी माना जा सकता है। इन नीतियों के अनुसार व्यक्ति को नौकरी चुनते समय केवल वेतन नहीं, बल्कि संस्थान की कार्यशैली, नेतृत्व और अपने भविष्य की संभावनाओं पर भी ध्यान देना चाहिए।

शुक्र नीति की पहली सीख है कि ऐसे संस्थान से जुड़ें, जो मुश्किल समय में कर्मचारियों का साथ दे सके। कंपनी की आर्थिक स्थिति, प्रबंधन और कार्यसंस्कृति को समझकर ही नौकरी का फैसला करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि लगातार कर्मचारियों का संस्थान छोड़ना और कमजोर प्रबंधन भविष्य की चुनौतियों का संकेत हो सकता है। इसलिए कंपनी की स्थिरता पर ध्यान देना जरूरी है।

तीसरी सीख के अनुसार काम व्यक्ति की योग्यता और रुचि के अनुरूप होना चाहिए। चौथी बात यह है कि वरिष्ठ अधिकारियों का व्यवहार ईमानदार और सहयोगपूर्ण होना चाहिए। ऐसा नेतृत्व कर्मचारियों को आगे बढ़ने का अवसर देता है। पांचवीं सीख यह है कि जहां प्रतिभा और मेहनत का सम्मान न हो, वहां केवल पुराने संबंधों के कारण टिके रहना उचित नहीं। जरूरत पड़ने पर बेहतर अवसर तलाशना चाहिए। इन सिद्धांतों से नौकरीपेशा लोग अपने करियर को लेकर समझदारी से फैसले ले सकते हैं।

365 बाती का दीपक 24 नवंबर को जलाएं



यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक मास में दीपदान का विशेष महत्व माना जाता है। इस महीने के अंतिम दिनों में 365 बाती का दीपक जलाने की परंपरा भी निभाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दीपक को वर्ष के 365 दिनों का प्रतीक माना जाता है। इसे जलाने से पूरे साल की पूजा–अर्चना का पुण्य प्राप्त होने की मान्यता है। वर्ष 2026 में श्रद्धालु 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यह दीपक जला सकते हैं। दोनों ही तिथियां दीपदान के लिए विशेष मानी गई हैं। कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली भी कहा जाता है, इसलिए इस दिन दीप प्रज्वलित करने का विशेष महत्व है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, 365 बाती का दीपक जलाने के लिए प्रदोष काल उत्तम माना गया है। इसके लिए शाम 5:25 बजे से रात 8:06 बजे तक का समय बताया गया है। इस दीपक को सूखे नारियल के आधे हिस्से में तैयार किया जाता है। इसमें घी या तिल का तेल भरकर 365 बातियां रखी जाती हैं।

प्रदोष काल में दीपक जलाना माना जाता है शुभ

बातियां कच्चे सूत या कलावे से बनाई जाती हैं। पूजा के लिए रोली, जल, हल्दी, अक्षत, खील और सूखा नारियल भी रखा जाता है।

दीपक के नीचे अक्षत रखकर उसमें खील या काले तिल डालने की परंपरा है। इसे प्रज्वलित करते समय 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' या 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दीपक को तुलसी के पौधे के सामने जलाना विशेष फलदायी माना जाता है। इसके अलावा शिवालय, पीपल के पेड़ या किसी जल स्रोत के पास भी दीपदान किया जा सकता है। दीपक जलाने के बाद तुलसी की 108 परिक्रमा करने की परंपरा है। ऐसा संभव न होने पर 11 परिक्रमा भी की जा सकती हैं।

वैकुंठ चतुर्दशी पर हुआ हरि–हर मिलन, महाकाल ने विष्णु को सौंपा सृष्टि का भार



यूनिक समय, मथुरा। धर्मनगरी उज्जैन में वैकुंठ चतुर्दशी का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान शिव और भगवान विष्णु के अद्भुत मिलन की सदियों पुरानी परंपरा निभाई गई। रविवार देर रात बाबा महाकाल शाही पालकी में सवार होकर गाजे–बाजे के साथ गोपाल मंदिर पहुंचे। यहां भगवान विष्णु के गोपाल स्वरूप और बाबा महाकाल का विधि–विधान से पूजन किया गया। हरि–हर मिलन के इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पूरे मार्ग में जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवशयनी एकादशी से देवप्रबोधिनी एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि में सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान महाकाल संभालते हैं। मान्यता है कि वैकुंठ चतुर्दशी पर भगवान शिव स्वयं भगवान विष्णु से मिलने पहुंचते हैं और उन्हें पुनः सृष्टि संचालन का दायित्व सौंपते हैं। इसी परंपरा को हरि–हर मिलन कहा जाता है। यह आयोजन शिव और विष्णु की एकात्मता तथा सनातन परंपरा में दोनों के समान महत्व का प्रतीक माना जाता है।

चातुर्मास के बाद विष्णु को सौंपा सृष्टि का भार

तुलसी और बेलपत्र की मालाओं से निभाई परंपरा

गोपाल मंदिर पहुंचने पर बाबा महाकाल का विशेष स्वागत किया गया। परंपरा के अनुसार भगवान महाकाल को तुलसी की माला और वैष्णव तिलक अर्पित किया गया, जबकि भगवान विष्णु को बेलपत्र की माला भेंट की गई। मान्यता है कि बाबा महाकाल मोरपंख धारण कर गोपाल मंदिर पहुंचते हैं और भगवान विष्णु को बिल्वपत्र अर्पित करते हैं। इसके बाद दोनों देवताओं की आरती और विशेष पूजा–अर्चना होती है।

इस विशेष अवसर के लिए मंदिर मार्ग पर आकर्षक रंगोलियां सजाई गई थीं। इनमें 'सृष्टि का भार आपके हाथ' जैसे संदेश लिखकर परंपरा का महत्व दर्शाया गया। सोमवार सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म हरिहर मिलन आरती भी हुई। इस तरह उज्जैन में निभाई जाने वाली यह अनूठी परंपरा एक बार फिर शिव और विष्णु की एकता का संदेश दे गई।

सम्पादकीय

यूपी के सरकारी खजाने पर बढ़ा साइबर खतरा

डिजिटल इंडिया के दौर में उत्तर प्रदेश में भी सरकारी कामकाज और भुगतान प्रणालियों का तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है। पंचायतों से लेकर नगर निकायों, विकास विभागों और सरकारी संस्थानों तक आर्थिक लेन–देन ऑनलाइन हो रहे हैं। इससे पारदर्शिता और कामकाज की गति बढ़ी है, लेकिन साइबर अपराधियों के लिए सरकारी खातों को निशाना बनाने का खतरा भी बढ़ गया है। तमिलनाडु के ग्रामीण विकास विभाग की तीन पंचायतों के खातों से 22.10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी और पुडुचेरी के एक सरकारी संस्थान के खातों से 8.84 करोड़ रुपए की रकम चोरी होना पूरे देश के लिए चेतावनी है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को भी इन घटनाओं से सबक लेने की जरूरत है।



पवन गौतम
संपादक

प्रदेश में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों, मनरेगा भुगतान, आवास योजनाओं, पेंशन, छात्रवृत्ति और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए बड़ी रकम डिजिटल माध्यम से हस्तांतरित होती है। ऐसे में किसी सरकारी भुगतान प्रणाली में सेंध लगना केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि विकास कार्यों और लाभार्थियों के अधिकारों पर भी असर डाल सकता है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के खातों और भुगतान प्रक्रिया की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। सरकारी धन जनता की गाढ़ी कमाई है, इसकी सुरक्षा में जरा सी चूक भी भारी पड़ सकती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

साइबर अपराधी फर्जी लिंक, फिशिंग और बैंकिंग जानकारी चुराने जैसे नए तरीकों से खातों तक पहुंच बना रहे हैं। ऐसे में केवल पासवर्ड और ओटीपी के भरोसे सरकारी भुगतान सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी विभागों, पंचायतों और स्थानीय निकायों के भुगतान नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट होना चाहिए। बड़ी रकम के भुगतान पर दो या अधिक अधिकृत अधिकारियों की मंजूरी अनिवार्य की जाए। संदिग्ध लेन–देन पर तत्काल अलर्ट और भुगतान रोकने की व्यवस्था भी विकसित होनी चाहिए। इसके साथ पंचायत सचिवों, लेखाकारों और बैंक अधिकारियों को नियमित साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए। प्रत्येक जिले में साइबर सुरक्षा की निगरानी और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए जिम्मेदार टीम होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश में डिजिटल शासन का विस्तार तभी सफल होगा, जब सरकारी धन पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। साइबर सुरक्षा को महज तकनीकी खर्च नहीं, बल्कि जनता के पैसे और विकास योजनाओं की सुरक्षा में निवेश मानना होगा। सरकारी खजाने की रखवाली में लापरवाही की कीमत अंततः आम जनता को चुकानी पड़ती है।

नजरिया

बोतल में पानी शुद्ध या सिर्फ विज्ञापन का जादू, उठे सवाल

बोध प्रकाश सगुणी



बाजार में जब प्यास लगती है तो आदमी पानी खरीदता है, भरोसा नहीं। लेकिन अब हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि पानी की बोतल खरीदने से पहले उसकी शुद्धता पर भरोसा करने के बजाय उसकी जांच रिपोर्ट मांगने का मन करता है। कभी कुएं, तालाब और नदियों का पानी पीकर पीढ़ियां बड़ी हुईं। फिर जमाना बदला, पानी की बोतलें आईं और उनके साथ आया शुद्धता का चमचमाता कारोबार। बोतल पर पहाड़, झरने और नीले आसमान की तस्वीर देखकर उपभोक्ता ने मान लिया कि भीतर भी प्रकृति का अमृत बंद है। मगर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की ताजा कार्रवाई ने इस चमकदार भरोसे पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

देश में बोतलबंद पानी के बड़े नामों में शामिल बिसलेरी इंटरनेशनल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मिलना मामूली खबर नहीं है। कंपनी के परिसर से लिए गए पैकेज्ड पेयजल के नमूने में पहले ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा के अनुरूप नहीं मिली। जांच के बाद पानी को असुरक्षित घोषित किया गया। कंपनी ने नतीजे को चुनौती दी तो उसी नमूने को दूसरी प्रयोगशाला में भेजा गया।

वहां पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन की अधिक मात्रा मिलने की बात सामने आई। यानी दूसरी जांच ने भी पानी की शुद्धता पर सवालिया निशान लगा दिया। इसके बाद प्राधिकरण ने मुकदमे की मंजूरी दे दी।

अब जरा इस पूरे घटनाक्रम का व्यंग्यात्मक पक्ष देखिए। जिस बोतल को खरीदते समय ग्राहक यह सोचता है कि कम से कम पानी तो शुद्ध मिलेगा, उसी बोतल के पानी की शुद्धता जांच एजेंसियों के सामने सवाल बन जाए तो उपभोक्ता आखिर किस पर भरोसा करे? बोतल पर लिखे बड़े–बड़े दावे, आकर्षक पैकिंग और विज्ञापनों में दिखाई जाने वाली निर्मल धाराएं क्या सिर्फ बाजार की सजावट हैं? क्या शुद्धता भी अब विज्ञापन की भाषा में बिकने वाला एक उत्पाद बन गई है?

बाजार का गणित भी बड़ा दिलचस्प है। पानी प्रकृति का मुफ्त उपहार है, लेकिन बोतल में बंद होते ही उसका मूल्य बढ़ जाता है। कंपनी उसे फिल्टर करती है, पैक करती है, ब्रांड का नाम देती है और ग्राहक से कीमत वसूलती है। ग्राहक भी खुशी–खुशी भुगतान करता है, क्योंकि उसे लगता है कि वह सिर्फ पानी नहीं, स्वास्थ्य खरीद रहा है। लेकिन अगर जांच में वही पानी असुरक्षित निकलता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि ग्राहक ने पैसे देकर सुविधा खरीदी या जोखिम?

यह मामला सिर्फ एक कंपनी तक सीमित नहीं है। प्राधिकरण ने वसंत मसाला और टिट–बिट फूड्स समेत चार अन्य कंपनियों के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। इससे स्पष्ट है कि खाद्य सुरक्षा की निगरानी में कई स्तरों पर सतर्कता की जरूरत है। खाने–पीने की चीजों का कारोबार सीधे लोगों की सेहत से जुड़ा है। यहां लापरवाही का मतलब केवल गुणवत्ता में कमी नहीं, बल्कि उपभोक्ता के विश्वास के साथ खिलवाड़ भी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जांच की नौबत आने से पहले गुणवत्ता नियंत्रण की व्यवस्था कहां थी? क्या कंपनियों की अपनी प्रयोगशालाएं नियमित जांच करती हैं? क्या उत्पादन से लेकर पैकिंग और बाजार तक पहुंचने की प्रक्रिया पर पर्याप्त निगरानी है? यदि सब कुछ मानकों के अनुसार है तो ऐसे नमूने सामने क्यों आते हैं? और यदि गड़बड़ी है तो कार्रवाई केवल मुकदमे की मंजूरी तक सीमित क्यों रहे? उपभोक्ता को सिर्फ यह जानने का अधिकार नहीं कि पानी असुरक्षित है, बल्कि यह भी जानने का अधिकार है कि जिम्मेदार कौन है और आगे ऐसी स्थिति रोकने के लिए क्या किया जा रहा है। यह भी जरूरी है कि किसी कंपनी को केवल नाम या लोकप्रियता के आधार पर दोषी न मान लिया जाए। मुकदमा चलाने की मंजूरी अंतिम न्यायिक फैसला नहीं होती। संबंधित कंपनी को अपना पक्ष रखने और न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने का अधिकार है। लेकिन दूसरी तरफ, बड़ी ब्रांड पहचान किसी को नियमों से ऊपर होने का प्रमाणपत्र भी नहीं देती। कानून की कसौटी पर छोटे दुकानदार और बड़े उद्योग, दोनों को समान रूप से परखा जाना चाहिए।

सरकार और खाद्य सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि जांच की प्रक्रिया पारदर्शी हो, रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और दोष साबित होने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई हो। साथ ही बाजार में बिकने वाले पैकेज्ड पानी की नियमित और स्वतंत्र जांच भी जरूरी है। केवल शिकायत आने या किसी खास अभियान के दौरान नमूने लेना पर्याप्त नहीं। गुणवत्ता की निगरानी निरंतर होनी चाहिए, क्योंकि प्यास किसी जांच अभियान का इंतजार नहीं करती।

उपभोक्ता के लिए भी अब केवल ब्रांड देखकर संतुष्ट हो जाना ठीक नहीं। बोतल की सील, निर्माण और समाप्ति तिथि, लाइसेंस संबंधी जानकारी तथा पैकेजिंग पर दिए गए विवरण देखना जरूरी है। हालांकि इन सावधानियों से प्रयोगशाला में होने वाली जांच की जगह नहीं ली जा सकती। असली जिम्मेदारी निर्माता और नियामक संस्थाओं की ही है।

विडंबना देखिए कि पानी को जीवन कहा जाता है और उसी जीवन को बेचने के कारोबार में शुद्धता पर सवाल उठ रहे हैं। अब जरूरत इस बात की है कि कंपनियां विज्ञापन में झरने दिखाने के बजाय गुणवत्ता साबित करें और नियामक संस्थाएं कार्रवाई की खबरों से आगे बढ़कर व्यवस्था को मजबूत करें। आखिर ग्राहक बोतल खोलते समय पानी पीना चाहता है, कोई रासायनिक रिपोर्ट नहीं। बोतल पारदर्शी हो या न हो, उसके भीतर का पानी जरूर पारदर्शी व्यवस्था से गुजरना चाहिए। वरना बाजार में शुद्धता के नाम पर बिकता भरोसा एक दिन सबसे महंगा सौदा साबित होगा।

विचार विंडो

ट्रेन में यात्री बनकर नहीं, अधिकारों के साथ कीजिए सफर

राम प्रकाश शर्मा

बर्थ पर कब्जा हो या एसी खराब, सफाई की समस्या हो या खाने के नाम पर मनमानी वसूली... यात्री को चुप रहने की जरूरत नहीं। रेलवे का टिकट केवल यात्रा का दस्तावेज नहीं, बल्कि निर्धारित सुविधाओं और सुरक्षा का अधिकार भी देता है।

भारतीय रेलवे में हर दिन करोड़ों यात्री सफर करते हैं। कोई नौकरी के सिलसिले में यात्रा करता है तो कोई परिवार के साथ छुट्टियां बिताने या धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए। सफर के दौरान कई बार ऐसी परेशानियां सामने आती हैं, जिन्हें यात्री अपनी मजबूरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। कभी कन्फर्म टिकट होने के बावजूद अपनी बर्थ के लिए दूसरे यात्री से बहस करनी पड़ती है तो कभी एसी खराब होने, गंदे शौचालय और पानी की कमी जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। विडंबना यह है कि टिकट के लिए पूरी रकम चुकाने वाला यात्री कई बार अपनी ही सुविधाओं के लिए रेलवे कर्मचारियों के सामने गुहार लगाता नजर आता है।

लेकिन सवाल यह है कि जब यात्री ने निर्धारित किराया चुकाया है तो उसे मिलने वाली सुविधाएं रेलवे की मेहरबानी कैसे हो सकती हैं? दरअसल, टिकट खरीदने के साथ ही यात्री रेलवे के निर्धारित नियमों के तहत कई सुविधाओं और अधिकारों का हकदार बन जाता है। जरूरत है तो केवल इन अधिकारों की जानकारी रखने और उनका इस्तेमाल करने की।

कन्फर्म टिकट पर यात्रा करने वाले यात्री को निर्धारित कोच और आवंटित बर्थ पर सफर करने का अधिकार है।



इसके बावजूद कई बार दूसरे यात्री उसकी सीट पर कब्जा जमा लेते हैं। कुछ लोग अपनी सुविधा के लिए सीट बदलने का दबाव बनाते हैं तो कुछ यात्री पूरी बर्थ पर अपना अधिकार जताने लगते हैं। ऐसे में विवाद करने के बजाय सबसे पहले ट्रेन में मौजूद टीटीई को जानकारी देनी चाहिए। समाधान नहीं मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सहायता ली जा सकती है। रेल मदद पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। आखिर टिकट पर दर्ज बर्थ किसी की कृपा से नहीं, बल्कि यात्री के भुगतान से मिली है।

एसी कोच का टिकट खरीदने वाला यात्री बेहतर सुविधा और आरामदायक सफर की उम्मीद करता है। लेकिन कई बार यात्रा के दौरान एसी काम करना बंद कर देता है। गर्मी और उमस के बीच यात्री परेशान होते रहते हैं, जबकि संबंधित कर्मचारियों को इसकी जानकारी तक नहीं मिल पाती।

ऐसी स्थिति में टीटीई या कोच अटेंडेंट को तत्काल सूचना देना जरूरी है। यदि एसी की खराबी दूर नहीं होती तो रेलवे के लागू नियमों के अनुसार यात्री किराए के अंतर की वापसी का दावा कर सकता है। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया और समय सीमा का पालन करना चाहिए। शिकायत दर्ज कराना इसलिए भी जरूरी है, ताकि समस्या का आधिकारिक रिकॉर्ड रहे।

रेलवे की जिम्मेदारी केवल यात्री को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचाना नहीं है। यात्रा के दौरान कोच की साफ–सफाई, शौचालयों की उचित व्यवस्था, पानी और निर्धारित यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराना भी उसकी जिम्मेदारी है। यदि कोच में गंदगी है, शौचालय इस्तेमाल करने योग्य नहीं हैं या पानी की समस्या है तो यात्री इसकी शिकायत कर सकते हैं।

इसी तरह अधिकृत खानपान सेवा के तहत खाद्य सामग्री बेचने वालों को निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने का अधिकार नहीं है। खाने–पीने की वस्तुओं का बिल मांगना और अधिक वसूली की शिकायत करना यात्री का अधिकार है। सफर के दौरान किसी यात्री की तबीयत बिगड़ जाए तो वह रेलवे से चिकित्सा सहायता भी मांग सकता है। ऐसी परिस्थितियों में समय पर सूचना देना महत्वपूर्ण है।

रेलवे से जुड़े नियमों में ट्रेन की देरी और अप्रिय घटनाओं के लिए भी कुछ प्रावधान किए गए हैं। रेलवे यात्री (टिकट रद्द करने और किराया वापसी) नियम, 2015 के तहत निर्धारित शर्तें पूरी होने पर ट्रेन तीन घंटे से अधिक लेट होने की स्थिति में यात्रा नहीं करने वाले यात्री को पूरा किराया वापस मिल सकता है। इसके लिए नियमानुसार टिकट रद्द कराने या टीडीआर दाखिल करने की प्रक्रिया अपनानी होती है।

वहीं रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 124ए के तहत निर्धारित अप्रिय रेल घटनाओं में मृत्यु या चोट की स्थिति में मुआवजे का प्रावधान है। हालांकि मुआवजे की पात्रता संबंधित कानूनी शर्तों और अपवादों पर निर्भर करती है। इसके अलावा चोरी, छेड़छाड़, उत्पीड़न या किसी अन्य सुरक्षा संबंधी परेशानी में यात्री रेलवे पुलिस और सुरक्षा बल की सहायता मांग सकते हैं।

अधिकारों का लाभ तभी मिलेगा, जब यात्री अपनी परेशानी की जानकारी संबंधित विभाग तक पहुंचाएंगे। यात्रा के दौरान शिकायत के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा रेल मदद पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी उपलब्ध है। शिकायत दर्ज होने के बाद उसका रजिस्ट्रेशन नंबर जरूर सुरक्षित रखें, ताकि आगे कार्रवाई की स्थिति पता की जा सके।

रेलवे को भी समझना होगा कि यात्री केवल टिकट खरीदने वाला ग्राहक नहीं, बल्कि उसकी पूरी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुविधाओं के लिए बार–बार गुहार लगाने की नौबत नहीं आनी चाहिए। वहीं यात्रियों को भी जागरूक होना होगा। बर्थ पर कब्जा, एसी की खराबी, गंदगी या अधिक वसूली को सामान्य मानकर सहना समस्या का समाधान नहीं है। टिकट का पैसा चुकाया है तो निर्धारित सुविधाओं की मांग करना भी सीखिए। क्योंकि रेलवे का सफर आपकी मजबूरी नहीं, आपका अधिकार है।

वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी ने की स्लेजिंग

बचाव में आए अभिषेक शर्मा

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में मैदान पर एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने क्रिकेट फैंस का ध्यान खींच लिया। पाकिस्तान ए के खिलाफ भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 13 गेंदों में 11 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके लगाए।

मोहम्मद इमरान रंधावा की गेंद पर विकेट गंवाने के बाद जब वैभव पवेलियन लौट रहे थे, तभी एक पाकिस्तानी खिलाड़ी उनके पास पहुंचकर उन्हें उकसाने लगा। बताया



जा रहा है कि पाकिस्तानी खिलाड़ी लगातार वैभव पर टिप्पणी कर रहा था, जबकि वह बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ रहे थे।

इस दौरान भारतीय टीम के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बीच में आकर अपने साथी खिलाड़ी का बचाव किया और पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ऐसा व्यवहार नहीं करने के लिए समझाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं मुकाबले की बात करें तो पाकिस्तान ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 313 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंडिया ए की टीम 265 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और उसे 48 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने 149 गेंदों में 100 रन की पारी खेली, जबकि अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में 70 रन बनाए। शाहबाज अहमद ने भी 49 गेंदों में 56 रन का योगदान दिया।

तिलक और शाहबाज के बीच साझेदारी टूटने के बाद भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गईं और पाकिस्तान ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल की राह अहम हो गई है। अब टीम इंडिया को 24 नवंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबला खेलना है। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को इस मैच में जीत दर्ज करनी होगी। वहीं टूर्नामेंट का फाइनल 29 नवंबर को खेला जाना है।

'रामायण' के लिए एआर रहमान ने ठुकराईं 10-12 फिल्में



तीन साल तक तैयार किया संगीत, बोले मुझे गर्व है

'रावण तांडव' के 12-13 संस्करण बनाने के बाद हुआ गाना फाइनल

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों के बीच लगातार चर्चा बनी हुई है। अब फिल्म के संगीत को लेकर ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म का संगीत तैयार करने में उन्हें करीब तीन साल का समय लगा। इतना ही नहीं, इस प्रोजेक्ट पर पूरी तरह ध्यान देने के लिए उन्होंने 10 से 12 फिल्मों के प्रस्ताव भी ठुकरा दिए। रणबीर कपूर अभिनीत इस फिल्म के लिए रहमान ने जर्मन संगीतकार हंस जिमर के साथ मिलकर संगीत तैयार किया है। 22 नवंबर को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के दौरान रहमान ने बताया कि 'रामायण' के संगीत पर काम करना उनके लिए शानदार अनुभव रहा।

उन्होंने कहा कि 'रावण तांडव' जैसे गानों के 12 से 13 संस्करण तैयार किए गए थे। काफी मेहनत के बाद उस धुन को चुना गया, जो सभी को पसंद आई।

रहमान ने कहा कि उन्होंने कई बड़े फिल्म निर्माताओं के प्रोजेक्ट छोड़कर इस फिल्म को प्राथमिकता दी और उन्हें इस फैसले पर गर्व है। रहमान ने यह भी बताया कि वह किसी भी फिल्म का प्रस्ताव तभी स्वीकार करते हैं, जब उससे रचनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस होता है। उन्हें भारतीय संगीत की अलग-अलग परंपराओं को आधुनिक वैश्विक संगीत के साथ जोड़ना पसंद है।

उनके मुताबिक, पारंपरिक और आधुनिक संगीत के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन नए प्रयोग उन्हें उत्साहित करते हैं। वहीं, फिल्म की कमाई की बात करें तो 18वें दिन 'रामायण' ने भारत में 942.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया, जबकि विदेशों में 567 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन दर्ज किया। इसके साथ फिल्म का दुनियाभर का कुल ग्रॉस कलेक्शन 1,693.50 करोड़ रुपये पहुंच गया।

सपना चौधरी ने पति वीर साहू से अलग होने पर तोड़ी चुप्पी

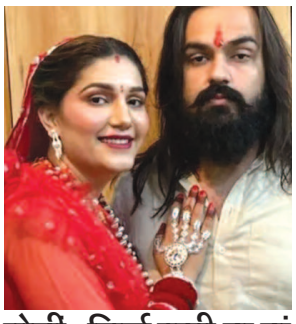

बोली-सिर्फ पत्नी या मां बनकर नहीं रह सकती

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं।

उन्होंने पति वीर साहू से अलग होने की पुष्टि करते हुए पहली बार अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है। करीब छह साल पहले शादी के बंधन में बंधे इस कपल के दो बच्चे हैं। सपना ने कहा कि जब तक सबकुछ अच्छा था, दोनों साथ थे, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उन्होंने लोगों से बिना पूरी सच्चाई जाने उनके रिश्ते पर कोई राय नहीं बनाने की अपील भी की। दरअसल, सपना ने हाल ही में एनएमएफ न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'जब सब अच्छा था, साथ थे।

अब अच्छा नहीं है, तो साथ नहीं हैं।' उन्होंने साफ किया कि शादी दो लोगों का निजी रिश्ता है और इससे जुड़े फैसले भी वही दोनों करेंगे। सपना ने शादी के बाद अपनी जिंदगी में आए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि पत्नी, मां और बहू की जिम्मेदारियां निभाने के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि उनकी व्यक्तिगत पहचान पीछे छूट रही है। सपना ने कहा, 'मैं सिर्फ किसी की पत्नी, मां या ननद बनकर नहीं रह सकती।

गौरतलब है कि इस साल दोनों के बीच घरेलू विवाद और शिकायत की खबरें भी सामने आई थीं। अब सपना के इस बयान के बाद उनकी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

न सौरभ राज जैन, न महेश बाबू 'रामायण' में कौन निभा रहा भगवान विष्णु का किरदार



यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर और यश की फिल्म 'रामायण' अपनी भव्यता और शानदार विजुअल इफेक्ट्स को लेकर लगातार चर्चा में है। इस बीच फिल्म में भगवान विष्णु का किरदार निभाने वाले कलाकार का नाम सामने आया है। यह भूमिका न तो सौरभ राज जैन निभा रहे हैं और न ही महेश बाबू, बल्कि इसके लिए प्रणेश सुव्वारी चर्चा में हैं। खास बात यह है कि प्रणेश फिल्म की डायरेक्शन टीम से भी जुड़े हुए हैं। फिल्म से सामने आए पर्दे के पीछे के वीडियो और तस्वीरों के बाद उनका नाम चर्चा में आया। आईएमडीबी की कास्ट लिस्टिंग में भी उन्हें भगवान विष्णु के किरदार के लिए श्रेय दिया गया है। वह विजुअल इफेक्ट्स कंपनी डीएनईजी से जुड़े हैं और फिल्म में सहायक निर्देशन, कला समन्वय और वीएफएक्स से जुड़े काम भी संभाल रहे हैं। प्रणेश ने मुंबई के व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल से एनीमेशन फिल्ममेकिंग की पढ़ाई की है। इसके अलावा उन्होंने बैरी जॉन एक्टिंग स्टूडियो और अनुपम खेर के एक्टर्स प्रिपेयर्स से अभिनय का प्रशिक्षण लिया है। वह 'फ्यूरियोसा', 'सिटाडेल' और 'मास्टर्स ऑफ द एयर' जैसे प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे हैं। फिल्म में उन्होंने मोशन कैप्चर तकनीक के जरिए भगवान विष्णु का किरदार निभाया है। इस तकनीक में कलाकार की शारीरिक गतिविधियों और हाव-भाव को रिकॉर्ड कर डिजिटल किरदार में उतारा जाता है।

काव्या मारन-अनिरुद्ध के रिसेप्शन में पहुंचे आकाश अंबानी और श्लोका मेहता



फिल्म और उद्योग जगत की हस्तियों ने की शिरकत

नवविवाहित जोड़े के लुक ने भी खींचा ध्यान

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद की सह-मालिक काव्या मारन और मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के वेडिंग रिसेप्शन में क्रिकेट, फिल्म और उद्योग जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। 23 नवंबर को चेन्नई में आयोजित इस शानदार समारोह में मुंबई इंडियंस के मालिक आकाश अंबानी अपनी पत्नी श्लोका मेहता के साथ पहुंचे। दोनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद उनके पहनावे की खूब चर्चा हो रही है। रिसेप्शन में आकाश अंबानी ब्लैक टक्सीडो में नजर आए। उन्होंने सैटिन लैपल्स वाला ब्लेजर, काली शर्ट और फॉर्मल जूते पहने थे। उनका सादा लेकिन आकर्षक अंदाज समारोह की थीम के साथ खूब जंच रहा था। वहीं, श्लोका मेहता ने इंडो-वेस्टर्न पहनावे से सबका ध्यान खींचा। उन्होंने सुनहरे और रस्ट रंग की बारीक जरी कढ़ाई वाली पेपलम जैकेट के साथ लंबी काली सिल्क स्कर्ट पहनी थी। डायमंड इयररिंग्स, अंगूठियों और खास हेयरस्टाइल ने उनके लुक को और आकर्षक बना दिया। वहीं, नवविवाहित जोड़े का अंदाज भी देखने लायक रहा। काव्या मारन ने आइवरी रंग का ऑफ-शोल्डर गाउन पहना था, जिस पर लेस और तीन आयामी फूलों की खूबसूरत कारीगरी की गई थी।

डायमंड चोकर और खुले घुंघराले बालों ने उनके लुक को खास बनाया। दूसरी ओर, अनिरुद्ध रविचंदर काली शर्ट और आइवरी ब्लेजर में नजर आए। दोनों ने अपने शानदार पहनावे से समारोह में मौजूद मेहमानों का ध्यान आकर्षित किया।

पाकिस्तान से हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ी भारतीय टीम



यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में भारतीय टीम को अपने दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद टीम इंडिया अंक तालिका में पहले स्थान से खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। हालांकि, भारतीय टीम के लिए राहत की बात यह है कि अभी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं।

टीम के पास अगले मुकाबले में जीत दर्ज कर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की करने का मौका होगा। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान को ग्रुप-बी में रखा गया है। इस ग्रुप की अंक तालिका में पाकिस्तान की टीम दो मुकाबलों में दो जीत के साथ चार अंक हासिल कर पहले स्थान पर है। पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में अपनी जगह भी पक्की कर ली है। वहीं, भारतीय टीम ने अब तक दो मैच खेले हैं, जिनमें उसे एक में जीत और एक में हार मिली है। इस तरह भारत दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दूसरी ओर, ग्रुप-ए से श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों टीमों के खाते में चार-चार अंक हैं। वहीं, हांगकांग और अफगानिस्तान की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। ग्रुप-बी में भारत के अलावा नेपाल और यूएई की टीमें भी मौजूद हैं। नेपाल के खाते में दो अंक हैं, जबकि यूएई अब तक अपना खाता नहीं खोल सका है। ऐसे में पाकिस्तान के बाद ग्रुप-बी से दूसरी सेमीफाइनलिस्ट टीम बनने की दौड़ जारी है। पाकिस्तान के खिलाफ हार के बाद अब भारतीय टीम की नजर अपने अगले मुकाबले पर होगी।

भारत को 24 नवंबर को यूएई के खिलाफ मैदान पर उतरना है। यह मुकाबला टीम इंडिया के लिए बेहद अहम रहने वाला है।

भारत अगर यूएई को हराने में सफल रहता है तो उसके कुल चार अंक हो जाएंगे और सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो जाएगी। हालांकि, ग्रुप में टीमों की अंतिम स्थिति के आधार पर ही यह तय होगा कि सेमीफाइनल में भारत का सामना किस टीम से होगा।

अयोध्या–जनकपुर के बीच दौड़ी सरयू–कमला एक्सप्रेस



मोदी बोले– नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे

योगी ने नेपाल के योगदान को किया याद

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या और जनकपुर धाम के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए सोमवार को नई रेल सेवा की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने दिल्ली के हैदराबाद भवन से वर्चुअल माध्यम से सरयू–कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या रेलवे स्टेशन पर मौजूद रहे। उद्घाटन यात्रा में 1158 यात्री सवार हुए। आम यात्रियों के लिए ट्रेन सेवा 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है।

भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर को जोड़ने वाली यह ट्रेन करीब 19 घंटे में सफर पूरा करेगी। यूपी और बिहार के 10 स्टेशनों पर इसका ठहराव होगा। ट्रेन का नाम अयोध्या की सरयू और मिथिला क्षेत्र की कमला नदी के नाम पर रखा गया है। दोनों नदियां भारत–नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध साझा इतिहास, आस्था, संस्कृति और लोगों के आपसी जुड़ाव पर आधारित हैं। भगवान राम और माता सीता दोनों देशों की साझा सभ्यता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि 2018 में जनकपुर में कहा था कि नेपाल के बिना हमारे तीर्थ अधूरे हैं और हमारे राम भी अधूरे हैं। नई रेल सेवा इस पवित्र रिश्ते को नया आयाम देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन में नेपाल के संतों, युवाओं और श्रद्धालुओं का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने अयोध्या और जनकपुर के आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि नई ट्रेन से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस सेवा से दोनों देशों के बीच आवागमन आसान होने के साथ धार्मिक पर्यटन और आपसी संबंधों को भी बढ़ावा मिलेगा।

ताजमहल में बच्चे को लेकर विवाद

पर्यटकों और सीआईएसएफ जवानों में मारपीट



वीडियो में दिखी हाथापाई एएसआई ने मांगा जवाब

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ताजमहल में तीन साल के बच्चे के परिवार से बिछड़ने के बाद विवाद हो गया। बिहार के चंपारण से परिवार के साथ घूमने आए पर्यटकों ने सीआईएसएफ जवानों पर मारपीट का आरोप लगाया है। घटना रविवार शाम करीब चार बजे पूर्वी गेट के अंदर सीआईएसएफ कंट्रोल रूम के पास हुई। पर्यटक साजिद के मुताबिक, बच्चा करीब पांच मिनट तक परिवार से अलग हो गया था।

सीआईएसएफ जवानों ने उसे अपने पास रखकर परिजनों से आधार कार्ड या पहचान पत्र मांगा। आधार कार्ड घर पर होने की बात कहने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि जवानों ने मोबाइल छीनकर परिजनों के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो भी सामने आया है। सामने आए वीडियो में सीआईएसएफ जवान और पर्यटक आपस में हाथापाई करते दिखाई दे रहे हैं।

पर्यटक ने आरोप लगाया कि मारपीट के बाद परिवार को ताजगंज की गलियों में भटकना पड़ा। अरकने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीआईएसएफ से जवाब मांगा है।

एसीपी ताज सुरक्षा यतेंद्र सिंह के मुताबिक, पहचान पत्र मांगने और पर्यटकों द्वारा एग्जिट गेट से प्रवेश की कोशिश रोकने पर विवाद हुआ। मामला हाथापाई तक पहुंच गया। फिलहाल कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

छात्राओं से छेड़छाड़, थार में खींचने की कोशिश, पुलिस पर पथराव

नंबर से तलाशा आरोपियों का ठिकाना

पुलिस टीम पर भी बरसाए ईंट–पत्थर

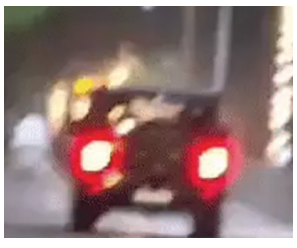

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के जार्जटाउन क्षेत्र में दो प्रतियोगी छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और उन्हें जबरन थार गाड़ी में खींचने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि काली थार सवार युवकों ने पहले अश्लील कमेंट किए और फिर छात्राओं का पीछा कर रास्ते में बदसलूकी की। छात्राओं के शोर मचाने पर आरोपी भाग निकले।

घटना 21 नवंबर की शाम की है। दोनों छात्राएं पतंजलि स्टोर से सामान लेकर लौट रही थीं। आरोप है कि थार सवार युवकों ने उनका पीछा किया और गाड़ी में खींचने का प्रयास किया। बाद में छात्राओं ने गाड़ी के नंबर से आरोपियों के किराये के मकान का पता लगाया और डायल 112 को सूचना दी। पुलिस टीम छात्राओं के साथ आरोपियों के ठिकाने पर पहुंची तो वहां 8 से 10 लोगों ने पथराव कर दिया। आरोप है कि दो लोगों ने हथियार लहराकर जान से मारने की धमकी भी दी। पथराव में दोनों छात्राएं चोटिल हो गईं और अल्लापुर पुलिस चौकी पहुंचकर जान बचाई। छात्रा की तहरीर पर एक नामजद और 8 से 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ जार्जटाउन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

शिकोहाबाद ओवरब्रिज पर आग का गोला बनी बाइक

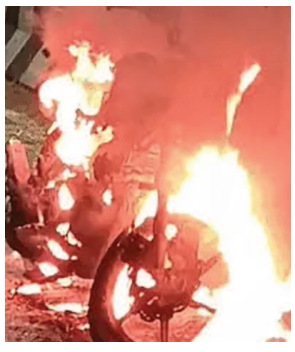

दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

आग लगने के कारणों की जांच

यूनिक समय, फिरोजाबाद। शिकोहाबाद क्षेत्र में सोमवार को मंडी समिति के सामने स्थित ओवरब्रिज पर चलती मोटरसाइकिल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन धू–धूकर जलने लगा। बाइक से उठती ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर ओवरब्रिज से गुजर रहे राहगीरों में अफरा–तफरी मच गई। घटना के चलते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाइक में आग लगने की सूचना तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक मोटरसाइकिल पूरी तरह जल चुकी थी। राहत की बात रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

फिलहाल मोटरसाइकिल में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस और संबंधित विभाग घटना के कारणों की जानकारी जुटा रहे हैं।

अर्जुन कपूर बनकर महिला से 6.70 लाख की साइबर ठगी

एयरपोर्ट और कस्टम कार्रवाई का डर दिखाया

सीबीआई गिरफ्तारी का हवाला देकर वसूली

यूनिक समय, आगरा। आगरा के सिकंदरा क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठग ने इंस्टाग्राम पर खुद को अर्जुन कपूर बताकर एक महिला से संपर्क किया और 6.70 लाख रुपये ठग लिए। आरोपी ने एयरपोर्ट पर पकड़े जाने, कस्टम कार्रवाई और सीबीआई गिरफ्तारी का डर दिखाकर अलग–अलग किस्तों में रकम ट्रांसफर कराई। पीड़िता की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला के मुताबिक, 11 नवंबर को विदेशी नंबर से इंस्टाग्राम पर संदेश आया। आरोपी ने भारत आने और हर्बल लाइफ उत्पाद इस्तेमाल करने की बात कही। 15 नवंबर को वॉट्सऐप कॉल कर मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़े जाने का दावा किया और क्यू कोड से रकम मंगाई। बाद में हीरे और सोना कस्टम में पकड़े जाने की कहानी सुनाकर 1.40 लाख रुपये और ले लिए।

16 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट पर सीबीआई द्वारा पकड़े जाने का डर दिखाकर फ्लैर से रकम मंगाई। अगले दिन परिवार को जेल भेजने की धमकी देकर चार लाख रुपये और ट्रांसफर कराए। आरोपी ने इसके बाद भी 10 लाख रुपये मांगे। पति को जानकारी होने पर आगे भुगतान रोक दिया गया। बैंक खाता जांचने पर ठगी का पता चला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

सिर्फ सीवी नहीं, चरित्र भी मजबूत बनाएं



तकनीक का इस्तेमाल मानवता की भलाई के लिए हो

यूनिक समय, लखनऊ। वायुसेना प्रमुख बनने के बाद पहली बार लखनऊ पहुंचे एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने युवाओं को बड़े सपने देखने, मेहनत करने और अच्छे इंसान बनने का संदेश दिया। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के गोल्फ सिटी कैंपस में आयोजित विज्ञान मेले में उन्होंने छात्रों से कहा कि जीवन में केवल उपलब्धियां और मजबूत सीवी बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि चरित्र को भी मजबूत बनाना जरूरी है। काय क्रम में अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी मौजूद रहे। दोनों ने विद्यार्थियों की विज्ञान प्रदर्शनी देखी और उनके बनाए मॉडल व प्रयोगों के बारे में जानकारी ली। दीक्षित ने कहा कि असफलता को सफलता का विरोधी नहीं समझना चाहिए। यह अक्सर मंजिल तक पहुंचने की यात्रा का हिस्सा होती है। रोजमर्रा के छोटे–छोटे फैसले ही भविष्य की दिशा तय करते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाई, समय के सदुपयोग और मेहनत को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से निडर होकर सवाल पूछने और अपने शिक्षकों व देश का नाम रोशन करने की अपील की।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरिक्ष अनुसंधान में आगे बढ़ते समय यह भी सोचना चाहिए कि किसी खोज या आविष्कार से समाज को क्या लाभ होगा। क्या वह सुरक्षित है और क्या उसका फायदा सभी को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अच्छे पेशेवर बनने के साथ अच्छे इंसान बनना सबसे जरूरी है। अंतरिक्ष से देशों की सीमाएं दिखाई नहीं देतीं, पूरी पृथ्वी एक साझा घर नजर आती है। युवाओं को इसी व्यापक सोच के साथ काम करना चाहिए। सीएमएस की ओर से शुरू किए गए वॉयजर मिक्सस्टिक्स माइक्रोग्रैविटी स्टूडेंट रिसर्च प्रोग्राम के तहत कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थी अंतरिक्ष से जुड़े प्रयोग तैयार करेंगे। अर्थाइजन और इजराइल के राकिया मिशन के सहयोग से संचालित इस पहल में चयनित प्रयोगों को 2027 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर आजमाए जाने की संभावना है। दीक्षित ने टीमवर्क को बड़ी उपलब्धियों की बुनियाद बताते हुए कहा कि अंतरिक्ष मिशन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है।

भाजपा ने मनोज माहौर को सौंपी एससी मोर्चा की कमान

तीन मोर्चों के अध्यक्षों का इंतजार

दावेदारों ने बढ़ाई सक्रियता

यूनिक समय, अलीगढ। अलीगढ़ में भाजपा ने संगठनात्मक नियुक्तियों के तहत अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा के महानगर अध्यक्ष की घोषणा कर दी है। पार्टी ने मनोज माहौर को यह जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से जारी सूची पर एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक रतन ने मुहर लगाई है। मनोज माहौर लंबे समय से भाजपा में सक्रिय हैं। इससे पहले वह विश्व हिंदू परिषद और हिंदू जागरण मंच से भी जुड़े रहे हैं। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद संगठन में उनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। भाजपा में विभिन्न संगठनात्मक मोर्चों के गठन की प्रक्रिया जारी है। महिला, ओबीसी और एससी मोर्चा के महानगर अध्यक्षों की नियुक्तियां हो चुकी हैं। अब युवा मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और किसान मोर्चा के अध्यक्षों की घोषणा बाकी है।

शेष पदों पर नियुक्ति के लिए दावेदार संगठन के वरिष्ठ नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। चुनावी तैयारियों के बीच इन नियुक्तियों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सभी की निगाहें प्रदेश नेतृत्व के अगले फैसले पर टिकी हैं।

मोदी ने गले लगाकर किया नेपाल के पीएम बालेन शाह का स्वागत

भारत-नेपाल संबंधों को नई मजबूती देने पर बनी सहमति



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और नेपाल के रिश्तों को नई मजबूती देने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बीच हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल को 15 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी ने दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल दो पड़ोसी देशों का संबंध नहीं है, बल्कि दोनों की सभ्यता और संस्कृति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। भगवान राम और माता सीता दोनों देशों की साझा विरासत के प्रतीक हैं। 2018 में अपनी जनकपुर यात्रा को याद करते हुए मोदी ने कहा, नेपाल के बिना हमारे धाम अधूरे हैं और नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने भारत के साथ संबंधों को और ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के रिश्ते हिमालय की तरह मजबूत और समुद्र की तरह विशाल हैं। दोनों देशों के नागरिकों के बीच गहरा जुड़ाव है।

वार्ता के दौरान भारत और नेपाल के बीच आठ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इनमें फॉरेंसिक विज्ञान, पुलिस प्रशिक्षण, प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रेनिंग, आयुर्वेद, सैटेलाइट संचार, शहरी विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और पशुपालन एवं मत्स्य पालन में सहयोग शामिल है। भारत ने नेपाल को गुजरात के कांडला और ओडिशा के पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच देने की घोषणा भी की। इससे नेपाल को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सुविधा मिलेगी। दोनों देशों के बीच सड़क और सीमा संपर्क मजबूत करने पर भी सहमति बनी।

प्रधानमंत्री मोदी और बालेन शाह ने काली नदी पर बने छारछुम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मोटर पुल का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह पुल उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला को नेपाल के दार्चुला से जोड़ेगा। इससे सीमावर्ती लोगों को करीब 200 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। बनबसा में एकीकृत जांच चौकी की आधारशिला भी रखी गई।

दोनों देशों के बीच अयोध्या-जनकपुर रेल संपर्क को भी महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

इससे भगवान राम और माता सीता की जन्मस्थलियों के बीच श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान होगी और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

15 हजार करोड़ की मदद का ऐलान

गंगाजल का कलश और पशुपतिनाथ का प्रसाद बना मुलाकात का खास हिस्सा

संपत्ति के लालच में बेटे ने की पिता की हत्या,आरोपी गिरफ्तार



बेटी को जमीन देने और पिता की पेंशन पर कब्जे को लेकर था विवाद

पुलिस ने जांच के बाद किया मामले का खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में संपत्ति विवाद ने रिश्तों को शर्मसार कर दिया। लांजी थाना क्षेत्र के सोगलपुर गांव में 80 वर्षीय पिता दुलेश्वर खोब्रागढ़े की हत्या के आरोप में पुलिस ने उनके बेटे अनिल खोब्रागढ़े को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी इस बात से नाराज था कि पिता ने अपनी बेटी को जमीन का हिस्सा दिया था। वह पिता की पेंशन और अन्य आर्थिक लाभों पर भी अधिकार चाहता था।

14 नवंबर को दुलेश्वर का उनके घर में अधजला शव मिला था। वह अकेले रहते थे और आंखों से कम दिखाई देने के साथ सुनने में भी परेशानी थी। उनकी बेटी पास में रहती थी और उन्हें खाना-पानी देती थी। इसी बात को लेकर भी आरोपी का बहन से विवाद होता था। घटना से एक दिन पहले आरोपी का पत्नी और बहन से झगड़ा हुआ था।

एसडीओपी दीपक सिंह तोमर के अनुसार, पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और एफएसएल जांच के आधार पर आरोपी की भूमिका उजागर की। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी अपने वाहन से फरार हो गया था। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बंगाल की बीजेपी विधायक रेखा पात्रा की हालत गंभीर

संदेशखाली आंदोलन से आई थीं सुर्खियों में

परिवार ने हर्बल कीटनाशक निगलने का किया दावा

जहर की पुष्टि रिपोर्ट के बाद होगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के हिंगलगंज से भाजपा विधायक रेखा पात्रा की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें कोलकाता के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। परिवार ने आशंका जताई है कि उन्होंने हर्बल कीटनाशक निगल लिया था। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने अभी जहर की पुष्टि नहीं की है। सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बीमारी की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी।

रेखा शनिवार रात अचानक बीमार पड़ गई थीं। पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल और फिर बशीरहाट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर रविवार को कोलकाता के आरएन टैगोर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके दिल्ली शिफ्ट किए जाने की भी संभावना जताई गई है। परिवार ने उनकी हालत को लेकर चिंता जताई है।

रेखा पात्रा वर्ष 2024 में संदेशखाली आंदोलन के दौरान चर्चा में आई थीं। उन्होंने तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस नेताओं पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीन पर कब्जे के आरोप लगाए थे। भाजपा ने उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में बशीरहाट सीट से उम्मीदवार बनाया था। बाद में वह हिंगलगंज से विधायक बनीं। 26 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर रेखा पात्रा से बातचीत की थी। संदेशखाली की महिलाओं के लिए संघर्ष करने पर उनकी सराहना करते हुए मोदी ने उन्हें शक्ति स्वरूपा बताया था। इधर, सीपीआई एम और तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने भी उनकी तबीयत बिगड़ने के कारणों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही जहर की आशंका पर स्थिति साफ होगी।

नीतीश सेतु पर पोस्टर फाड़ने के मामले में तीन गिरफ्तार





यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के चर्चित नीतीश सेतु पर पोस्टर फाड़ने और हंगामा करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। वैशाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 11 नामजद समेत 100 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धीरज कुमार, प्रमोद कुमार और गौतम कुमार के रूप में हुई है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गंगा नदी पर बने नीतीश सेतु का उद्घाटन किया था। उनके कार्यक्रम स्थल से रवाना होने के बाद कुछ लोगों ने पुल पर लगे पीएम मोदी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पोस्टर फाड़ दिए। इस दौरान तेजस्वी यादव के समर्थन में नारेबाजी भी हुई। घटना के

100 से अधिक अज्ञात पर एफआईआर

वायरल वीडियो के आधार पर वैशाली पुलिस की कार्रवाई

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया। वैशाली पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर राघोपुर प्रखंड के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में मामला दर्ज किया। इसके बाद पहचान कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि पुल के नामकरण को लेकर भी बिहार में सियासी विवाद चल रहा है। राजद नेता तेजस्वी यादव पुल का नाम अक्षयवट राय के नाम पर रखने की मांग करते रहे हैं। राजद इसे अपने कार्यकाल की उपलब्धि भी बताती रही है।

दिल्ली के गांधी नगर की फैक्ट्री में लगी भीषण आग



नेहरू गली में आग लगने से मचा हड़कंप

दमकलकर्मी जुटे काबू पाने में जनहानि की सूचना नहीं

एशिया के बड़े कपड़ा बाजारों में शामिल है गांधी नगर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्वी इलाके गांधी नगर स्थित नेहरू गली में सोमवार को एक फैक्ट्री में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने 12 गाड़ियों को मौके पर भेजा। दमकलकर्मी आग बुझाने और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे रहे। घटना के दौरान फैक्ट्री के बाहर राहत और बचाव दल की टीमें भी तैनात नजर आईं।

अधिकारियों के मुताबिक, अभी तक किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, आग लगने के समय फैक्ट्री के अंदर कोई मौजूद था या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। आग लगने के कारणों और नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

फैक्ट्री में आग कैसे लगी, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दमकल विभाग की टीमें आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटी हैं। घटना के बाद आसपास के इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। गांधी नगर एशिया के प्रमुख थोक रेडीमेड कपड़ा बाजारों में गिना जाता है। यहां 15 हजार से अधिक दुकानें और करीब पांच हजार कपड़ा निर्माण इकाइयां हैं। ऐसे में फैक्ट्री में आग की घटना से व्यापारिक क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है।

एशिया में भारत की ताकत का डंका, तीसरे स्थान पर पहुंचा



लोवी इंस्टीट्यूट के पावर इंडेक्स-2026 में भारत का स्कोर बढ़कर 40.5 हुआ

अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर

मोदी एशिया के दूसरे प्रभावशाली नेता

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशिया में भारत का रणनीतिक और कूटनीतिक प्रभाव लगातार मजबूत हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट की एशिया पावर इंडेक्स-2026 रिपोर्ट में भारत तीसरे सबसे शक्तिशाली देश के रूप में उभरा है। भारत ने जापान और रूस को पीछे छोड़ते हुए अपनी स्थिति मजबूत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का पावर स्कोर बढ़कर 40.5 हो गया है। वहीं अमेरिका 78.9 अंकों के साथ पहले और चीन 73.6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। जापान 38.6 और रूस 32.2 अंकों के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया का दूसरा सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय नेता बताया गया है। इस श्रेणी में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहले स्थान पर हैं। भारत का कूटनीतिक प्रभाव और क्षेत्रीय भूमिका उसकी बढ़ती ताकत के प्रमुख आधार माने गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता भी उसकी क्षेत्रीय शक्ति को मजबूती दे रही है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में सुधार किया है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत 2030 के आसपास दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लोवी इंस्टीट्यूट का यह इंडेक्स 131 मानकों के आधार पर एशिया के 27 देशों और क्षेत्रों की शक्ति का आकलन करता है।

फैसलों की आलोचना करें, संवैधानिक संस्थाओं को निशाना नहीं: सीजेआई

लोकतंत्र में संस्थाओं पर जनता का भरोसा बनाए रखना जरूरी

धर्मशाला में दीक्षांत समारोह में छात्रों को दिया संदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों को संवैधानिक संस्थाओं के फैसलों की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन संस्थाओं को निशाना बनाने से बचना चाहिए। किसी फैसले और उसे सुनाने वाली संस्था के बीच अंतर समझना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है। वह रविवार को धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सीजेआई ने कहा कि संवैधानिक संस्थाएं लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके फैसलों से असहमति जताई जा सकती है, लेकिन संस्थाओं की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखना भी जरूरी है। जस्टिस सूर्यकांत ने छात्रों को हिमालय का उदाहरण देते हुए कहा कि मंजिल तक पहुंचने का रास्ता हमेशा सीधा नहीं होता। इसलिए लक्ष्य हासिल करने के लिए धैर्य और निरंतर प्रयास जरूरी हैं। समारोह में 702 विद्यार्थियों को डिग्रियां और 32 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें 23 छात्राएं शामिल रहीं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी विद्यार्थियों से समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

हाईवे पर बेखौफ दौड़ रहीं प्राइवेट बसें, सुरक्षा व्यवस्था लाचार

नेशनल हाईवे-19 और यमुना एक्सप्रेस-वे पर नियमों की अनदेखी का आरोप

यात्रियों की सुरक्षा और सरकारी राजस्व पर उठे सवाल

एआरटीओ बोले- सभी बसों के पास हैं परमिट



यूनिक समय, मथुरा। जिले की सीमा से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-19 और यमुना एक्सप्रेस-वे पर प्राइवेट बसों का संचालन लगातार सवालों के घेरे में है। दिल्ली, आगरा और हरियाणा की ओर से आने-जाने वाली बसें हाईवे पर दौड़ रही हैं। इनके संचालन को लेकर नियमों के पालन और यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। शासन की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार निर्देश जारी किए जा रहे हैं, लेकिन हाईवे पर वाहनों की जांच और कार्रवाई को लेकर प्रभावी निगरानी की जरूरत महसूस की जा रही है।

हैरानी की बात यह है कि प्राइवेट बसों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे हादसों में यात्रियों की जान तक जा चुकी है। इसके बावजूद बसों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों की नियमित जांच बेहद जरूरी है। तेज रफ्तार और सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही यात्रियों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

नियमों के विपरीत संचालित होने वाले वाहनों से परिवहन विभाग के राजस्व को भी नुकसान पहुंच सकता है।

निर्धारित परमिट और जरूरी दस्तावेजों के बिना वाहन चलाना परिवहन नियमों का उल्लंघन है। ऐसे में सवाल उठता है कि हाईवे पर चलने वाली बसों के दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की नियमित जांच कितनी प्रभावी तरीके से की जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा के साथ सरकारी राजस्व की रक्षा करना भी विभाग की जिम्मेदारी है।

मौसम में बदलाव के साथ सुबह और रात के समय कोहरा बढ़ने की संभावना है। ऐसे में हाईवे पर तेज रफ्तार से दौड़ने वाली बसें और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। कम दृश्यता के दौरान निर्धारित गति, पर्याप्त लाइट, ब्रेक और अन्य सुरक्षा इंतजामों का दुरुस्त होना जरूरी है। परिवहन विभाग की ओर से समय रहते सघन जांच अभियान चलाना आवश्यक है।

एआरटीओ बोले- सभी बसों के पास परमिट

एआरटीओ प्रवर्तक राजेश राजपूत ने बताया कि हाईवे पर संचालित बसों के पास परमिट हैं। बिना परमिट के इस तरह कोई वाहन संचालित नहीं हो रहा है। विभागीय अधिकारी का यह दावा है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर बसों के परमिट के साथ फिटनेस, बीमा और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच भी महत्वपूर्ण है।



प्रकाश पर्व पर कल निकलेगी प्रभात फेरी

गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची में कीर्तन समागम विद्युत रोशनी और फूलों से सजा गुरुद्वारा

यूनिक समय, मथुरा। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व 24 नवंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर शहर के गुरुद्वारों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्य आयोजन गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची में होगा। गुरुद्वारे को आकर्षक विद्युत रोशनी और रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया है।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार सुबह गुरुद्वारा राधा नगर से भव्य प्रभात फेरी निकाली जाएगी। यह नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुरबाणी के मधुर कीर्तन के साथ गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची पहुंचेगी। समाजसेवी रानी आहूजा ने बताया कि गुरुद्वारा गुरु नानक बगीची में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद भव्य कीर्तन समागम आयोजित होगा।

इसमें विभिन्न रागी जत्थे शबद कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे। प्रकाश पर्व को लेकर सिख समाज में उत्साह का माहौल है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज, जोनल-सेक्टर अधिकारियों को बताई जिम्मेदारी और दायित्व



विधानसभा चुनाव को लेकर आयोजित बैठक में निर्देश देते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

डीएम ने पांचों विधानसभा क्षेत्रों के अधिकारियों को दिए निर्देश

संवेदनशील बूथों की पहचान, मतदाताओं को भयमुक्त माहौल देने पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। सोमवार को डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में तैनात जोनल-सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इसमें अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों और दायित्वों की जानकारी दी गई।

डीएम ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने आवंटित क्षेत्रों का भ्रमण कर मतदान केंद्रों की स्थिति का जायजा लें। बूथों पर फर्नीचर, हेल्प डेस्क, प्रकाश व्यवस्था, रैंप, साइनेज, शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराई जाएं। कमियों को समय रहते दूर किया जाए।

उन्होंने संवेदनशीलता मानचित्रण और क्रिटिकल मतदान केंद्रों की पहचान पर विशेष जोर दिया। सेक्टर अधिकारियों को पूर्व की निर्वाचन संबंधी घटनाओं, स्थानीय परिस्थितियों और कानून व्यवस्था का अध्ययन कर ऐसे गांवों, मजरों और बस्तियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए, जहां मतदाताओं पर भय, दबाव, धमकी या प्रलोभन का प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे क्षेत्रों में मतदाताओं से संवाद कर उन्हें निर्भीक होकर मतदान करने के लिए आश्वस्त किया जाए। डीएम ने आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने और जनपद में जेंडर रेशियो सुधारने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

प्रशिक्षण में एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसडीएम गोवर्धन संजय सिंह, मांट चंद्रभूषण प्रताप, सदर मोहित कुमार, महावन प्राजक्ता त्रिपाठी और छाता साक्षी शर्मा सहित सभी जोनल-सेक्टर अधिकारी मौजूद रहे।

महिला से पर्स छीनने वाले दो युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने महिला से पर्स छीनने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर को स्कूटी सवार दो युवकों ने एक महिला के हाथ से लेडीज पर्स छीन लिया था। महिला की शिकायत पर थाना वृंदावन में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सूरज निवासी सरस्वती कुंड, माली कॉलोनी, भावना गेस्ट हाउस, परिक्रमा मार्ग और रवि निवासी श्याम नगर कॉलोनी, परिक्रमा मार्ग, वृंदावन को कैलाश नगर के कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से छीना गया लेडीज पर्स, एक मोबाइल फोन और स्कूटी का रजिस्ट्रेशन बरामद किया गया है।

चाकू रखने पर एक माह दस दिन की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एसडी/एफटीसी न्यायालय ने अवैध चाकू रखने के मामले में एक आरोपी को दोषी करार देते हुए एक माह दस दिन के साधारण कारावास और 200 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने रामबाबू निवासी कुआं वाली गली, लक्ष्मीनगर, थाना यमुनापार को अवैध चाकू रखने का दोषी पाया। इसके बाद उसे उक्त सजा से दंडित किया गया।

ब्रज संस्कृति के रंगों से सजेगा शोध संस्थान का स्थापना दिवस

24 और 25 नवंबर को होंगे स्मृति व्याख्यान

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज संस्कृति के अध्ययन, शोध, संरक्षण और प्रकाशन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वृंदावन शोध संस्थान का 59वां स्थापना दिवस समारोह 24 और 25 नवंबर को मनाया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन में स्मृति व्याख्यान, प्रदर्शनी, परिचर्चा, ब्रजभाषा काव्य पाठ और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका, चरकुला-मयूर नृत्य और फूलों की होली भी आयोजित होगी।

संस्थान अध्यक्ष आरडी पालीवाल ने बताया कि 58 वर्षों की यात्रा में संस्थान ने ब्रज संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए उल्लेखनीय कार्य किए हैं। संस्थान में 30 हजार से अधिक पांडुलिपियों का संग्रह, ब्रज संस्कृति संग्रहालय, संदर्भ पुस्तकालय, ग्रंथ संरक्षण विभाग और डिजिटाइजेशन की सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल ही में प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार कराने के साथ मुक्ताकाशीय रंगमंच भी तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को सुबह 10 बजे संस्थान स्थित श्रीगोपाल जी मंदिर में गोपाल सहस्त्रनाम और सुंदरकांड पाठ होगा। इसके बाद संस्थापक डॉ. रामदास गुप्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। सुबह 10:30 बजे श्रीनिम्बार्काचार्य जयंती और श्रीचैतन्य महाप्रभु के वृंदावन आगमन के 511वें उत्सव पर परिचर्चा, महामंत्र संकीर्तन और प्रदर्शनी का आयोजन होगा।

निदेशक राजीव द्विवेदी ने बताया कि 25 नवंबर को डॉ. रामदास गुप्त स्मृति व्याख्यान होगा। इसमें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा 'पं. विद्यानिवास मिश्र के निबंधः ब्रजभूमि की प्रभाव सम्पन्नता में भाव पुरुष श्रीकृष्ण' विषय पर व्याख्यान देंगी। इस अवसर पर रजत शुक्ला, डॉ. राजेश शर्मा और ममता गौतम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिला जज विकास कुमार ने की स्व-गणना



स्वगणना करते जिला जज विकास कुमार, साथ हैं गणना से जुड़े कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने स्वयं स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की। इस दौरान उन्होंने आमजन से जनगणना के प्रति जागरूक होने और स्व-गणना प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

उन्होंने बताया कि जनगणना के द्वितीय चरण में स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 नवंबर तक चलेगी।

इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। इस अवसर पर जिला जनगणना सहायक कपिल यदुवंशी और तकनीकी सहायता के लिए अंकुर सक्सेना उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मुक्ति अभियान का जल्द होगा शंखनाद



बैठक में विचार व्यक्त करतीं संघ की मातृशक्ति राष्ट्रीय महामंत्री साध्वी वर्षा हरिकौशल।

धर्म रक्षा संघ की बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाने की बनी रणनीति

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्मस्थान मुक्ति के संकल्प को लेकर धर्म रक्षा संघ शीघ्र ही व्यापक स्तर पर अभियान शुरू करेगा। अभियान को राष्ट्रीय स्वरूप देने और संत-महात्माओं, धर्माचार्यों और देशभर के कृष्णभक्तों को जोड़ने की रणनीति तैयार की जा रही है। इसी क्रम में वृंदावन स्थित भागवत मंदिरम् में आचार्य बद्रीश की अध्यक्षता में संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

बैठक में श्रीकृष्ण जन्मस्थान से जुड़े विषय को लेकर जनजागरण, धर्मसभाओं और जनसंपर्क अभियान चलाने पर विचार-विमर्श किया गया। संघ का उद्देश्य विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों को साथ लेकर इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाना है। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान केवल ब्रजवासियों की आस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे सनातन समाज की श्रद्धा और स्वाभिमान का प्रतीक है। संघ इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएगा। उन्होंने जन्मभूमि परिसर में स्थित ढांचे को हटाकर भव्य मंदिर निर्माण के लिए जनजागरण करने की बात कही।

संघ की मातृशक्ति राष्ट्रीय महामंत्री साध्वी वर्षा हरिकौशल ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद करोड़ों कृष्णभक्तों की भावनाएं श्रीकृष्ण जन्मस्थान से जुड़ी हैं। यह अभियान सनातन संस्कृति, आस्था और ऐतिहासिक धरोहर के सम्मान से जुड़ा है। महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद ने कहा कि ब्रजभूमि की धार्मिक और आध्यात्मिक गरिमा की रक्षा करना सभी का दायित्व है। अभियान को किसी एक संगठन तक सीमित न रखकर गांव-गांव और नगर-नगर तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में स्वामी देवानंद परमहंस, महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद अधिकारी गुरुजी, बृजकिशोर पचौरी, विनीत द्विवेदी, प्रियांशु व्यास, ध्रुव शर्मा, रवि प्यासी, सीताराम शास्त्री, अर्जुन शर्मा और कृष्ण नागदा सहित अन्य पदाधिकारी-कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने अभियान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।